RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●03 जुलाई , 2024 वर्षः-12 अंक-66 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

एएसआई ने रिपोर्ट की बजाय हाईकोर्ट में सौंपा आवेदन

● भोजशाला सर्वे ● 4 सप्ताह का मांगा समय, नियमित सुनवाई में 4 जुलाई को होगा आवेदन पर फैसला

इंदौर (एजेंसी)। भोजशाला मामले में एएसआई ने सर्वे रिपोर्ट सौंपने के लिए इंदौर हाईकोर्ट से 4 सप्ताह का समय मांगा है। कोर्ट ने 2 जुलाई तक सर्वे रिपोर्ट सौंपने का समय दिया था। मंगलवार को एएसआई की तरफ से समय देने के लिए आवेदन हाई कोर्ट में लगाया गया था। अब 4 जुलाई को मामले में सुनवाई होगी। कोर्ट तय करेगी की समय देना है या नहीं, या फिर कितना समय दिया जाए। एएसआई की तरफ से एडवोकेट हिमांशु जोशी का कहना है कि आज सर्वे रिपोर्ट नहीं सौंपी है। रिपोर्ट सौंपने के लिए कोर्ट से 3 से 4 सप्ताह का समय मांगा है। बता दें 11 मार्च को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने ज्ञानवापी की तर्ज पर धार की भोजशाला का सर्वे कराने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को 5 एक्सपर्ट की टीम बनाने के लिए कहा था। इस टीम को 6 सप्ताह में रिपोर्ट कोर्ट को सौंपनी थी। कोर्ट ने 29 अप्रैल तक सर्वे पूरा करने के लिए कहा था। बाद में टाईम बढ़ाकर इसे 2 जुलाई किया था।

हाईकोर्ट ने इस वैज्ञानिक सर्वे को जीपीआर-जीपीएस तरीके से करने के लिए कहा है- जीपीआर यानी ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार जमीन के अंदर विभिन्न स्तरों की हकीकत जांचने की तकनीक है। इसमें रडार का उपयोग होता है। यह अदृश्य यानी छुपी वस्तुओं के विभिन्न स्तर, रेखाओं और संरचनाओं का माप लेता है। जीपीएस सर्वे यानी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के तहत भी सर्वे किया जाएगा। बिल्डिंग की उम्र पता करने के लिए कार्बन डेटिंग प्रक्रिया का इस्तेमाल भी किया जाएगा। पूरे सर्वे की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

याचिका के बिंदु, जिनके आधार पर मांग स्वीकार की गई- हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने 1 मई 2022 को इंदौर हाईकोर्ट में यह याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि हर मंगलवार को हिंदू भोजशाला में यज्ञ कर उसे पवित्र करते हैं और शुक्रवार को मुसलमान नमाज के नाम पर यज्ञ कुंड को अपवित्र कर देते हैं। इसे रोका जाए।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट का सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट में मंगलवार (2 जुलाई) को सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने सीबीआई को नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है। मामले की

अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी। केजरीवाल की ओर से सोमवार (1 जुलाई) को याचिका दाखिल की गई थी। केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के 26 जून के उस आदेश को भी चुनौती दी है, जिसके तहत उनको 3 दिन के लिए सीबीआई की रिमांड पर भेजा गया था। फिलहाल केजरीवाल 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं।

नीट पीजी एग्जाम 2024 पर बड़ा फैसला!

● परीक्षा से कुछ घंटे पहले तैयार होगा क्वेश्चन पेपर

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीट पीजी परीक्षा 2024 पर बड़ा फैसला आया है। गृह मंत्रालय की बैठक में ये निर्णय लिया गया है कि नीट पीजी परीक्षा का क्वेश्चन पेपर नीट पीजी परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही तैयार किया जाएगा। नीट पीजी एग्जाम डेट 2024 की घोषणा भी जल्द होने वाली है।

पुलिस का दावा-

सलमान की सुपारी दी गई थी, 25 लाख में डील हुई थी

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सलमान खान के घर हुई फायरिंग की जांच कर रही नवी मुंबई पुलिस ने नया खुलासा किया है। पुलिस का कहना है कि लॉरेंस गैंग ने सलमान को मारने के लिए 25 लाख रुपए की सुपारी दी थी। पुलिस ने अब इस मामले में गिरफ्तार किए गए लॉरेंस गैंग के

5 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। ये आरोपी सलमान पर हमला करने के लिए पाकिस्तान से एके-47 राइफल, एके-92 राइफल और एम-16 राइफल खरीदने की तैयारी कर रहे थे। इसके अलावा इन्होंने जिगाना पिस्तौल भी मंगवाने की कोशिश की, जिससे पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या की गई थी। 24 अप्रैल को गिरफ्तार किए गए थे 4 आरोपी।

हाथरस -सत्संग में भगदड़, 86 की मौत

● मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे; 100 से ज्यादा लोग बेहोश ● पीएम मोदी, राहुल गांधी, राजनाथ ने जताया गहरा शोक

सीएम योगी ने जताया शोक, मृतकों को 2-2 लाख के मुआवजे का ऐलान, आयोजक पर होगी एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें करीब 86 लोगों की मौत हो गई है। 100 के अधिक भक्त घायल हो गए। इसमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। एटा सीएमओ उमेश त्रिपाठी ने इसकी पुष्टि की। घायलों को बस-टैंपों में लादकर जिला अस्पताल ले जाया गया। डीएम और एसपी मौके पर पहुंच गए है। कई थानों की फोर्स भी बुलाई गई है। सत्संग में 5 हजार से अधिक लोग आए थे।

इसीलिए मची भगदड़

सत्संग खत्म हो गया था। एक साथ लोग निकल रहे थे। हॉल छोटा था। गेट भी पतला था। पहले निकलने के चक्कर में भगदड़ मच गई। लोग एक दूसरे पर गिर पड़े। ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। इस वजह से 150 से अधिक लोग घायल हो गए।

शांति सत्संग में गए थे, तभी मची भगदड़

प्रत्यक्षदर्शी ज्योति ने मीडिया को बताया- मेरी मम्मी भी हादसे में घायल हुई हैं। प्रत्यक्षदर्शी ज्योति ने बताया- हम लोग शांति सत्संग में गए थे। सत्संग खत्म होने के बाद हम लोग निकलने लगे। भीड़ बहुत ज्यादा थी, तभी अचानक भीड़ में भगदड़ मच गई। जिससे कई लोग एक दूसरे के नीचे दब गए। कई लोगों की जान चली गई। मेरे साथ आए कई लोगों की जान चली गई है। मैं भी दब गई थी। लगा था कि मौत हो जाएगी। लेकिन किसी तरह से बच गई।

सीएम योगी ने दुख जताया

सीएम योगी ने घटना पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही घायलों के उचित उपचार के भी निर्देश दिए हैं।

विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन भी हुआ जमकर हंगामा

भोपाल (एजेंसी)। विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब एक शेर के जरिए दिया। उन्होंने कहा- मालूम था कि दरबान है सूरज, फिर भी लोग मेरे घर को जलाने आए।

नर्सिंग घोटाले के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा में सारंग बोले- शुरुआत में मुझे लगा कि आरोप राजनीतिक हैं लेकिन अब ये व्यक्तिगत हो गए हैं।

सारंग नर्सिंग घोटाले के जिम्मेदार, इस्तीफा दें : नेता प्रतिपक्ष

परमिशन की फाइल मंत्री तक नहीं आती, निर्णय मेडिकल काउंसिल लेती है: सारंग

कॉलेजों को परमिशन देने की जिम्मेदारी तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल की तत्कालीन रजिस्ट्रार सुनीता शिजू को दी थी। उन्होंने ही कॉलेज खोलने के लिए परमिशन दी है।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पहले 453, बाद में 445 नर्सिंग कॉलेजों को बिना इंस्पेक्शन मान्यता दी गई। परमिशन संबंधी जो नियम 2018 में भाजपा सरकार ने बनाए थे, वे कांग्रेस गवर्नमेंट में लागू नहीं किए गए। नियम शिथिल करने का काम कांग्रेस सरकार ने किया। इन्होंने ही अकादमिक भवन की अनिवार्यता को नकारा। उनके समय ऑफलाइन आवेदन किया जाता था। बीजेपी की सरकार ने इसे ऑनलाइन किया। स्क्रूटनी कमेटी में मेडिकल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर को शामिल किया गया ताकि गड़बड़ी रोकी जा सके।

भाजपा सरकार में छात्रों ने गड़बड़ियों को लेकर ज्ञापन दिया। इस पर मैंने विभागीय मंत्री होने के नाते जो पत्र लिखे, उनमें पुनर्विचार करने और एडवाइजरी की बात कही गई थी। कोई भी अनुमति आदेश मेरे द्वारा नहीं दिया गया था। ऐसी कोई भी फाइल मंत्री तक नहीं आती है। सारे निर्णय मेडिकल काउंसिल लेती है।

कांग्रेस ने की सर्वदलीय कमेटी बनाने की मांग- इससे पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि नर्सिंग कॉलेजों में घोटाले के लिए तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग और विभागीय अधिकारी जिम्मेदार हैं।

इंदौर के आश्रम में 4 बच्चों की मौत, 23 भर्ती

● 2 की हालत गंभीर, घटनास्थल पर ठहाके लगाने वाले एसडीएम को हटाया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एक आश्रम में कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। चार दिन में अब तक चार बच्चों की मौत हो गई। मंगलवार को 23 बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया।

पंचकुइया रोड स्थित श्री युगपुरुष धाम आश्रम की प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा ने कहा कि आश्रम में 204 बच्चे हैं। इनमें से 4 की मौत हुई। 23 का इलाज जारी है। जिन 4 बच्चों की मौत हुई, उनमें से 2 को मिर्गी आती थी। अन्य दो की मौत के पीछे ब्लड इन्फेक्शन और फूड पॉयजनिंग की आशंका जताई है। मृत बच्चों के नाम शुभम उर्फ करण, आकाश, शुभ और छोटा गोविंद है। सभी की उम्र 5 से 15 साल के बीच है।

कलेक्टर ने एसडीएम को हटाया- कलेक्टर आशीष सिंह ने विस्तृत जांच के आदेश दिए। वे मंगलवार सुबह भर्ती बच्चों की जानकारी लेने पहुंचे, दोपहर में आश्रम भी गए। इधर, घटनास्थल पर तैनात मल्हारगंज एसडीएम ओमप्रकाश बड़कुल को शाम को हटा दिया गया। बड़कुल इस संवेदनशील विषय पर ड्यूटी के दौरान ठहाके लगाते दिखे थे, जिनका वीडियो वायरल हुआ था।

सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● मुख्यमंत्री ने 'लोकपथ मोबाइल ऐप' किया लॉंच ● सात दिन में होगा सड़कों में सुधार : अधिकारी होंगे जवाबदार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य है। जनता के प्रति अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्य प्रणाली को अपनाते हुए लोक कल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर रहने की दृष्टि से लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार लोकपथ मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विधानसभा भवन स्थित मीडिया सेंटर में मोबाइल ऐप-लोक पथ के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह उपस्थित थे।

जन-जन तक पहुंचाएं ऐप की जानकारी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की 40 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों में आवश्यकतानुसार ऐप से त्वरित रूप से सुधार संभव होगा। विभाग के लिए 7 दिन में सुधार करना चुनौती पूर्ण और साहस का कार्य है। यह विश्वास है कि विभाग नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए इस नवाचार को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सफल होगा। यद्यपि अधिक वर्षा, जल भराव और भारी वाहनों के अधिक आवागमन से सड़कों का क्षतिग्रस्त होना स्वाभाविक है, परंतु विभाग का यह प्रयास होना चाहिए कि सड़कों में गड्ढे हो ही नहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के साथियों से इस ऐप की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। लोकपथ मोबाइल ऐप सड़क सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

मोबाइल ऐप से आमजन को मार्गों की समस्या बताने की सुविधा मिलेगी और अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। लोकपथ मोबाइल ऐप मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है। लोकपथ मोबाइल ऐप को लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट पर जाकर डाउनलोड कर इंस्टॉल किया जा सकता है।

● दो चरणों में लागू होगी योजना

लोक निर्माण विभाग के अधीन प्रदेश के समस्त मरम्मत योग्य राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, मुख्य जिला एवं अन्य जिला व ग्रामीण मार्ग सम्मिलित रहेंगे। यह योजना दो चरणों में लागू की जाएगी। प्रथम चरण मंगलवार 2 जुलाई से आरंभ किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और मुख्य जिला मार्ग शामिल रहेंगे। द्वितीय चरण में प्रथम चरण में सम्मिलित मार्गों के साथ शेष अन्य जिला एवं ग्रामीण मार्गों को शामिल किया जाएगा।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 03 जुलाई , 2024

सांप या जहरीले जन्तुओं के काटने से इलाज हेतु समय-सीमा बैठक में दी अहम् जानकारियां

● 80-90 प्रतिशत सर्प जहरीले नहीं होते

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देश पर हर सप्ताह समय-सीमा बैठक के दौरान अधिकारियों को नई-नई जानकारियों से परिचित कराया जा रहा है। इसी क्रम में पीजी मेडिकल ऑफिसर डॉ. विक्रम सिंह चौहान ने इस सप्ताह सांप के काटने या जहरीले जन्तुओं के काटने से होने वाले नुकसान और उसके इलाज के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर मीना मसराम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

जिला अस्पताल दमोह के पीजी मेडिकल ऑफिसर डॉ. विक्रम सिंह चौहान ने बताया अभी मानसून का सीजन आ गया है, इस समय सांप के काटने के केसेस बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। जिला चिकित्सालय में लगभग 5 से 7 मरीज लगभग हर रोज सांप के काटने के आ रहे हैं। उन्होंने बताया यहां पर जो जहरीले और बिना जहरीले सांप है उसमें से 80 से 90 प्रतिशत बिना जहरीले सांप होते हैं, 10 से 20 प्रतिशत ही जहरीले सांप होते हैं, हमें सिर्फ उन्हें पहचानना रहता है।

उन्होंने कहा जब सांप काटे तो वहां पर ज्यादा कट नहीं लगाना है, जख्म के ऊपर पट्टी या सुतरी बांध देते हैं, यह सब चीज मरीज को और ज्यादा डैमेज करती हैं। हमें लगता है कि हमने तुरंत जहर को रोक दिया है लेकिन हमारे अंदर जो नस होती हैं, उसके माध्यम से जहर तुरंत पूरे शरीर में फैल जाता है, हम कितनी ही ऊपर से पट्टी बांध लें, हम सिर्फ इससे ऊपर की नसों को रोक सकते हैं अंदर की नसों को नहीं रोक सकते हैं, जो की मसल्स के अंदर है, यह टिशूज भी डैमेज कर सकता है जो अल्टीमेटली गैंग्रीन बन सकता है और पेशेंट को कभी-कभी पैर भी कटवाना पड़ता है, तो ना हमें कट लगाना है ना ही कुछ बांधना है, सिर्फ इतना करना है कि मरीज का जो पैर है वह इममूवलाईज हो, स्प्लिंट बांधे, हम पेरीफेरीज में कहीं कुछ नहीं कर सकते है, यदि सांप जहरीला है और उसने काट लिया है। यदि सांप ने काटा तो पहले हमें मरीज का मनोबल बढ़ाना है कि अस्पताल चलते हैं ठीक हो जाएंगे, कोई बात नहीं है। क्योंकि जो सांप के काटने का डर होता है या डर इतना बड़ा होता है कि कई लोग डर के कारण ही घबराकर एंजाइटी डिसऑर्डर के कारण उनकी डेथ हो जाती है।

डॉ.विक्रम सिंह ने बताया हमें सिर्फ पेशेंट को कंट्रोल करना है कि आपको कुछ नहीं होगा अस्पताल ले चल रहे हैं, दवाई लग जाएगी ठीक हो जाओगे। हमें कुछ लक्षण पहचानने होते हैं जैसे सांस लेने में दिक्कत तो नहीं है, पलकें नींचे तो नहीं गिर रही है, या पेशेंट की जीभ बाहर तो नहीं निकल रही है, यदि यह लग रहा है तो समझ जाए कि सांप का जहर चढ़ चुका है, तुरंत अस्पताल ले जाना है, इससे ज्यादा हम कुछ नहीं कर सकते हैं, जो भी कुछ करना है अस्पताल के जो ट्रेंड डॉक्टर है वह करेंगे। यदि सांस रूकती है तो मरीज को इनक्यूबेट करके वेंटीलेटर में डालना पड़ेगा, बाकी यदि एंटी स्नेक वेनम है जो कि सभी शासकीय अस्पतालों में उपलब्ध रहते हैं, कहीं भी यदि आप जाते हैं, सांप ने काटा है, आप बताएंगे तो आपको प्रायमरी ट्रीटमेंट दिया जाएगा और एंटी स्नेक वेनम जितनी जल्दी हो सके स्टार्ट करना है। यही बचाव है बाकी बचावों में बड़े जूते पहने, अंधेरे में टॉर्च लेकर चले, जहां जानवर रहते है वहां जाने से बचे क्योंकि वहां सांप आते है।

नगरपालिका दमोह में प्रधानमंत्री आवास संबंधी विशेष जनसुनवाई हुई

दमोह। कलेक्टर सुधीर कोचर के निर्देश पर नगरपालिका दमोह में आज प्रधानमंत्री आवास के संबंध में विशेष जनसुनवाई में पहली किस्त के संबंध में 15 आवेदन, दूसरी किस्त के संबंध में 58 आवेदन और तीसरी किस्त के संबंध में 148 आवेदन प्राप्त हुए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु पुरोहित ने जानकारी देते हुए बताया कि नए अनुमोदन के लिए 84 आवेदन प्रस्तुत हुए। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देश मिलने के बाद नए आवेदनों पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। नगर पालिका अधिकारी ने यह भी बताया कि जो 84 आवेदन आए हैं उनके डीपीआर में नाम नहीं है सभी को इस संबंध में अवगत करा दिया गया है।

एक पेड़ मां के नाम के तहत आज तेंदूखेड़ा बीट पोड़ी में पौधरोपण किया गया

दमोह। वन मंडल अधिकारी एम एस उईके ने जानकारी देते हुए बताया कि एक पेड़ मां के नाम के तहत आज तेंदूखेड़ा बीट पोड़ी में पौधरोपण किया गया। उन्होंने बताया इस तरह से जिले में पौधरोपण की कार्य योजना बना ली गई है और यह कार्य लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आम जनों से जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया हैं कि वे आए और अपने मां के नाम पर जरूर पौधा लगाये।

कलेक्टर ने अधिकारियों पर 36 हजार 700 रूपये का जुर्माना किया अधिरोपित

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सी. एम. हेल्पलाईन पोर्टल पर माह मई 2024 में अनिराकृत पाई गई शिकायतों का निराकरण एल-1, एल-2 अधिकारियों द्वारा समय-सीमा में न किये जाने एवं वरिष्ठ कार्यालयों द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना किये जाने के फलस्वरूप प्रति शिकायत 100 रूपये के मान से 13 विभागो के 26 अधिकारियों पर 367 शिकायतों के अनिराकृत होने के आरोप में 36 हजार 700 रूपये का जुर्माना अधिरोपित किया है।

उन्होंने कहा है उक्त जुर्माने की राशि 03 दिवस के भीतर लोक सेवा प्रबंधन विभाग दमोह के कार्यालय (कक्ष क्रमांक 72 कलेक्ट्रेट) में जमा कर रेडक्रॉस सोसाइटी की रसीद प्राप्त करें अथवा रेड क्रॉस सोसायटी दमोह के बैंक खाते में जमा कर रसीद इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। उन्होंने आदेशित किया है कि शिकायतों के अनिराकृत होने की पुर्नावृत्ति न हो।

ज्ञातव्य है नागरिकों की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने हेतु राज्य शासन द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन 181 को संचालित किया जा रहा है। सी. एम. हेल्पलाईन 181 पोर्टल पर नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण में एल-1/एल-2 अधिकारियों का मुख्य उत्तरदायित्व रहता है। शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण के संबंध में लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा पर्याप्त प्रशिक्षण भी दिया गया है साथ ही समय-समय पर निर्देश भी जारी किये गये हैं। उपरोक्त प्रशिक्षण व निर्देशों के उपरांत भी सी. एम. हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतें अनिराकृत पाई जा रही हैं।

जिले में अभी तक 145.3 मि.मी. वर्षा दर्ज

दमोह। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 145.3 मि.मी. अर्थात 5.7 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई है, जो अभी तक गत वर्ष से 19.4 मि.मी. अर्थात 0.7 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 164.7 मि.मी. अर्थात 6.4 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे ज्यादा वर्षा पथरिया में 289 मि.मी. दर्ज की गई है।

भू-अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 114 मि.मी., हटा 98.6 मि.मी., जबेरा में 72 मि.मी. पथरिया 289 मि.मी., तेन्दूखेड़ा 29.6 मि.मी, बटियागढ़ 188 मि.मी. तथा पटेरा में 226 मि.मी., वर्षा दर्ज की गई है।

दैनिक वर्षा के तहत जिले में 8.9 मि.मी. अर्थात 0.3 इंच वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों के दौरान वर्षामापी केन्द्र दमोह में 1 मि.मी., हटा में 45.6 मि.मी.,जबेरा में 5 मि.मी., पथरिया में 2 मि.मी., बटियागढ़ में 2 मि.मी. तथा पटेरा में 7 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत वार्षिक औसत वर्षा 1246.6 मि.मी. है।

म.प्र. योग आयोग समिति ने किया वृक्षारोपण

दमोह। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आवाहन पर एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के दिशा निर्देशानुसार मध्य प्रदेश योग आयोग समिति के द्वारा गायत्री मंदिर परिषद में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें योग आयोग जिला अध्यक्ष दीपक राजपूत, चंद्रभान पटेल एवं मध्य प्रदेश योग आयोग सक्रिय सदस्य ब्लॉक हटा सोमनाथ विश्वकर्मा, महिलाओं एवं बच्चों की उपस्थिति रही।

दमोह में नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम संपन्न

दमोह। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के दिशा निर्देशों की परिपालन में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में 01 जुलाई 2024 को नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. इंदिरा जैन के मार्गदर्शन में प्रारम्भ हुआ। डॉ हरिओम दुबे प्राध्यापक ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश प्रसाद ने महाविद्यालय में संचालित शासन की योजनों से संबंधित जानकारी दी। सहायक प्राध्यापक इरफान खान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, एवं प्रवेश से संबंधित जानकारी दी, डॉ. निकिता जैन ने विभिन्न पाठ्क्रमो से संबंधित जानकारी दी।

भारतीय संस्कृति एवं भारतीय दर्शन वैदिक व प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा साहित्य कला एवं सामाजिक दायित्व के संबंध में डॉ. प्रियंका चौहान, डॉ. नाज़नीन बेगम एवं निकिता जैन के द्वारा जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

झमाझम बारिश का अलर्ट जून माह में हुई कम बारिश, जुलाई में होगा कोटा पूरा

मप्र। मौसम विभाग ने जून महीने के बारिश के आंकड़े जारी कर दिए हैं. प्रदेश के पश्चिमी हिस्से यानी भोपाल, इंदौर-ग्वालियर समेत 31 में से 21 जिलों में दो से 63 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है. वहीं पूर्वी हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई है. जून में प्रदेश में साढ़े 4 इंच ही पानी गिरा है. जबकि सामान्य आंकड़ा 5 इंच है. मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब जुलाई में बारिश की अनुकूल परिस्थितियां हैं. ऐसे में जुलाई महीने में बारिश का कोटा पूरा हो जाएगा. प्रदेश में आज से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो रहा है।

प्रदेश में एक्टिव हुआ स्ट्रांग सिस्टम

एमपी में बारिश का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव हो चूका है जिसका असर पश्चिम और पूर्वी मध्य प्रदेश के कई जिलों में दिखाई देगा ये सिस्टम अगले चार दिनों तक एक्टिव रहेगा जिसका असर पूरे प्रदेश में दिखाई देगा. इसी को ध्यान में रखते हुए मौसम विभाग में प्रदेश में तेज बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है।

अगले चार दिन इन जिलों में होगी बारिश

गुना, रायसेन के सांची और भीमबेटका, विदिशा के उदयगिरि और सागर में आकाशीय बिजली चमकने या गिरने के साथ भारी बारिश की संभावना है. वहीं, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, अशोकनगर, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, नरसिंहपुर, दमोह और मंडला में मध्यम गरज के साथ बारिश हो सकती है. इसके अलावा, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, सिवनी, सीधी, सिंगरौली, राजगढ़, बालाघाट, डिंडोरी, जबलपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया के रतनगढ़, भिंड, खंडवा, खरगोन के महेश्वर, हरदा, देवास और कटनी में भी बारिश हो सकती है।

इन सिस्टम की वजह से बारिश

ढ्रख्ष्ठ के अनुसार अगले पांच दिन तक आंधी, बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी. तीन जुलाई से पूर्वी बंगाल की खाड़ी से बारिश की एक्टिविटी तेज होगी. इससे पूर्वी हिस्से के कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है. चार जुलाई को कई जिले भीगेंगे. तीन जुलाई से स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होगा. 15 जुलाई तक प्रदेश में अच्छी बारिश होगी।

सभी स्कूलों में बिजली की सुविधा संचालित हो: कलेक्टर कोचर

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा है नीति आयोग भारत सरकार के माध्यम से संपूर्णता अभियान चलाया जा रहा है। इसमे 167 हायर सेकेन्ड्री स्कूल है, जहां पर शत-प्रतिशत बिजली की सुविधा उपलब्ध की जानी है। इस अभियान के अंतर्गत यह सुनिश्चित कराया जायेगा कि सभी स्कूलों में बिजली की सुविधा संचालित हालत में हो। जहां तक स्कूलों की मरम्मत का प्रश्न है और वहां पर पंखे, बिजली और अन्य स्कूलों का प्रश्न है, इसके संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक के माध्यम से पूरा आंकलन करा लिया है। इसके लिये राज्य शासन से राशि जारी होती है, वह अपेक्षित है और यदि राज्य शासन से राशि जारी नहीं होती है, तो अन्य मदों से किस प्रकार व्यवस्था की जा सकेगी इसको प्लॉन किया जा रहा है और जल्द ही इस पर निर्णल ले लिया जायेगा।

आपदा प्रबंधन और बचाव राहत की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है: कलेक्टर

आपदा प्रबंधन और एसडीआरएफ की टीम भी एलर्ट

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के आमजनों से कहा है वर्षाकाल प्रारंभ हो चुका है। वर्षाकाल को लेकर आपदा प्रबंधन और बचाव राहत की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। कंट्रोल रूप लगातार 24 घण्टे ऑपरेशनल है, लगातार बारिश के संबंध में अलर्ट भी सोशल मीडिया और बाकी अन्य माध्यमों से जारी किये जा रहे है। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा जहां पर जल संसाधन विभाग के बांध बने हुये है, वहां पर एक-एक व्यक्ति की ड्यूटी लगाई गई है। इनको खोलने का समय निर्धारित है, कि कब किस स्तर पर पानी के आने पर खोलना है, वह भी तय किया जा चुका है। इसके अलावा सभी एसडीएम और सारी टीमें अलर्ट है, राहत शिविरों को कहां पर लगाया जायेगा है उस स्थान का भी चिन्हांकन किया जा चुका है, हमारी तैयारियां पूरी है। आपदा प्रबंधन और एसडीआरएफ की टीम भी एलर्ट है, गोताखोर और जो भी आपदा प्रबंधन के उपकरण है उनका भौतिक सत्यापन कर लिया गया है। हम इन सभी चीजों से निपटने के लिये तैयार है।

दुष्कर्मी को 24 घंटे में किया गिरफ्तार, भेजा जेल

टीकमगढ़। पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ रोहित काशवानी द्वारा गुम एवं अपहृत बालक व बालिकाओं को दस्तयाब कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम, एसडीओपी टीकमगढ़ राहुल कटरे के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना कोतवाली के अपराध क्रमांक 342/2024 धारा 363, भादवि. की अपहृता परिवर्तित नाम (मीना) को जिला चित्रकूट से 30 जून 2024 को दस्तयाब किया गया। जिसके द्वारा आरोपी वीरेंद्र उर्फ छोटू वर्मा द्वारा शादी का झांसा देकर भगा ले जाने एवं जबरन गलत काम (दुष्कर्म) करना बताने पर मामले मे धारा 366, 450, 376 (2) (एन), 376भादवि. 3/4,5एल/6 पाक्सो एक्ट का इजाफा किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा आंगनबाड़ीयों का किया गया औचक निरीक्षण

दमोह। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जे.एस. वर्मा द्वारा ऑगनवाड़ी केन्द्रों के औचक निरीक्षण किये गये। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वर्मा द्वारा आंगनबाड़ी कल्याणपुरा-309 का सुबह 10 बजे भ्रमण किया गया, इस दौरान केन्द्र पर 10 बच्चे उपस्थित रहे, समूह द्वारा नाश्ता नहीं दिया दिया जा रहा है, इसके पश्चात शारीरिक माप का सत्यापन किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा किये गए माप मे अन्तर पाया गया। इसके पश्चात ऑगनवाडी केन्द्र रानगिर का भ्रमण किया जहां परआंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थी परंतु सहायिका अनुपस्तिथ पाई गई, यहां केवल 3 बच्चे उपस्थित थे और यहां खाना और नास्ता एक साथ दिया जा रहा था। केन्द्र से टेक होम राशन ठीक से वितरण नही हो रहा है, 04 बैग रखे पाये गए।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वर्मा द्वारा 12 बजे ऑगनवाड़ी केन्द्र विजोरी का भ्रमण किया गया जहाँ पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका दोनो उपस्थित थे, परन्तु केन्द्र पर केवल 2 बच्चे उपस्थित थे, दोनों बच्चों के बजन में बहुत अन्तर पाया गया, साथ ही पाया गया कि यहां केंद्र पर समूह नास्ता नही देता है। उपरोक्तानुसार पाई गई अनिमितताओं के लिये आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, सेक्टर पर्यवेक्षक एवं समूह को जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कारण वताओ नोटिस दिये गए।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वर्मा ने बताया इसी कड़ी में समस्त परियोजना अधिकारियों को भी सतत फील्ड में औचक निरीक्षण करने हेतु एवं निरीक्षण के डेली प्रतिवेदन जिला कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग दमोह को प्रेषित करने हेतु आदेशित किया जा रहा है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, बुधवार 03 जुलाई , 2024

लव जिहाद: हिंदू बनकर क्लब में दोस्ती की, शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

इंदौर। इंदौर में लव जिहाद का एक और मामला सामने आया है ताजा मामले में मुस्लिम युवक ने खुद की पहचान छुपाते हुए हिंदू युवती से जान-पहचान बढ़ाई। उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद उस पर इस?लाम को अपनाने का दबाव बनाया खजराना पुलिस ने हिंदू युवती की शिकायत पर समीर उर्फ आशू खान के विरुद्ध दुष्कर्म,मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है आरोपित ने पीड़िता से क्लब में दोस्ती की थी। घर आना जाना शुरू हुआ और शादी का बोलकर शारीरिक संबंध बना लिए। खजराना पुलिस के मुताबिक रामकृष्ण बाग कालोनी निवासी 24 वर्षीय युवती पति से अलग रह रही थी। पीड़िता हिंदू संगठन के पदाधिकारियों के साथ थाने आई और बताया कि समीर खान उर्फ आशू पटेल निवासी खजराना से करीब एक वर्ष पूर्व लाइट हाऊस क्लब में दोस्ती हुई थी। दोनों फोन पर बात करते थे। आरोपित बहाने से घर आने लगा और नजदीकी बढ़ा ली। उस वक्त तक समीर ने खुद को हिंदू बताया था आशू ने शादी का झांसा दिया और शारीरिक संबंध बना लिए। कई बार शादी का बोलने के बाद भी वह टालता रहा उसने कहा कि मैं मुसलमान हूं और मेरा असली नाम समीर पटेल है उसने पीड़िता से कहा कि शादी के पहले तुम्हें भी मुस्लिम धर्म स्वीकारना पड़ेगा आरोपी ने पीड़िता के इनकार करने पर धमकाया 29 जून को समीर पुनःघर आया और डराने लगा। पीड़िता ने हिंदू संगठन के पदाधिकारियों को घटना बताई और मंगलवार को केस दर्ज करवाया पीड़िता का आरोप है कि समीर अनैतिक काम में भी लिप्त है।

इंदौर: हिन्दू विरोधी बयान पर भाजपाइयों ने जलाया नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला

इंदौर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा हिन्दू विरोधी बयान के मामले में दिल्ली से लेकर इंदौर तक भाजपा आक्रामक मूड में नजर आई। इंदौर में विधानसभा 1 में कल आकाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में राहुल गांधी का पुतला जलाया गया। राहुल गांधी को लेकर भाजपा पूरी तरह से आक्रामक हो गई है। संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिन्दुओं को लेकर जो बयान दिया, उसको लेकर प्रधानमंत्री और सरकार ने कड़ा विरोध जताया एक नंबर विधानसभा में बड़ा गणपति चौराहे पर भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के पुतले की अर्थी निकाली और उसे फूंक दिया। विजयवर्गीय ने कहा कि राहुल गांधी गलत बयानबाजी कर सदन को गुमराह कर रहे हैं। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा के नेतृत्व में भी राहुल गांधी का विरोध किया गया।

एमपी ट्रांसको के पौधरोपण अभियान में इंदौर में सब स्टेशनों पर हुआ वृहद पौधरोपण

इंदौर। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार और ऊर्जा विभाग की बिजली कंपनियों में पर्यावरण को सुरक्षित और स्वच्छ रखने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान के तहत महानगर इंदौर सहित मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के विभिन्न सब स्टेशनो और रहवासी कालोनियों में वृहद पौधरोपण का पहला चरण हुआ। एमपी ट्रांसको के प्रदेश के विभिन्न सब स्टेशनों में 2000 पौधों के रोपण लक्ष्य के मुकाबले 3261 पौधों का रोपण किया गया । इंदौर में 400 केवी सबस्टेशन इंदौर सहित इलेक्ट्रॉनिक काम्प्लेक्स, इंदौर पश्चिम, सत्य साईं ,चंबल सबस्टेशन, महालक्ष्मी नगर, नॉर्थ जोन, इंदौर ईस्ट, साउथ जोन ,पीथमपुर, राऊ, मांगलिया सबस्टेशनो सहित ट्रांसको की रहवासी कॉलोनियों में पौधारोपण किया गया। आने वाले दिनों में प्रदेश में एमपी ट्रांसको के सभी कार्यालयों में भी जल्द शुरू होगा पौधरोपण।

भ्रष्टाचार एवं गंदगी की भेंट चढ़ा बड़ा गणपति का सुभाष स्कूल,

रात को यहां पर असामाजिक तत्वों द्वारा अपना अड्डा जमा कर किया जाता है असामाजिक गतिविधि का संचालन

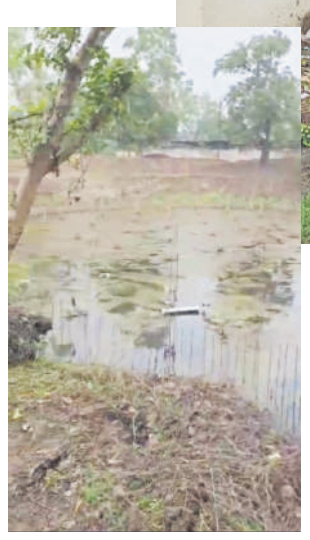

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस महासचिव गजेंद्र वर्मा कल बड़ा गणपति स्थित सुभाष स्कूल परिसर में अपने साथियों के साथ पहुंचे ,उन्होंने बताया यह स्कूल का भवन अभी कुछ साल पहले ही बना है फिर भी इस भवन की स्थिति जर्जर होती जा रही है, गंदगी का आलम जबरदस्त है इस कारण पढ़ने आने वाले बच्चों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इंदौर नगर निगम ने खेल मैदान को खोद कर यहां टैंक बना दिया है जबकि माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार खेल का मैदान ही होना चाहिए। सरकार किसी भी स्कूल को तब तक मान्यता नहीं देती है जब तक उस स्कूल के पास अपना खेल का मैदान नहीं हो, सरकार प्राइवेट स्कूलों में यह नियम का शक्ति से पालन करा रही है जबकि निगम ने शासकीय सुभाष स्कूल में स्थित खेल मैदान को खोद कर टैंक बना दिया है जोकि इंदौर नगर निगम द्वारा माननीय न्यायालय के आदेश की आवेलना है।

सूत्रों से मेरी जानकारी के अनुसार प्राचार्य ने भी कई बार निगम को पत्र लिखकर यहां की साफ सफाई और टंकी की सफाई का करने का निवेदन किया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है स्कूल प्रशासन द्वारा थाने भी शिकायत की जा चुकी है की रात को यहां पर असामाजिक तत्व अपना अड्डा जमा लेते हैं और असामाजिक गतिविधि का संचालन करते हैं लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। टैंक खुदा होने के कारण विद्यार्थियों की जान को खतरा भी है माता-पिता चिंतित है कहीं कोई बड़ी हानि ना हो जाए। प्रदेश कांग्रेस महासचिव गजेंद्र वर्मा ने कहा कि निगम ने जो भवन बनाया है वह इतनी जल्दी जर्जर कैसे हो गया है इस भवन की जांच की जाना चाहिए दोषी अधिकारी एवं ठेकेदार पर कार्रवाई की जाना चाहिए अगर निगम प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है तो कांग्रेस एवं जनता द्वारा बड़ा आंदोलन किया जाएगा विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। कांग्रेस नेता गजेंद्र वर्मा ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया है, मुख्य रूप से दीपक राठौड़, लक्षण सिसोदिया, सुरेश प्रजापत, रोहन सोनी, ओ पी मिश्रा,अभिषेक प्रजापत, गिरीश वर्मा, बीजू भाई, राजा कश्यप, नितिन सोनी, जितेंद्र वर्मा, ओम प्रकाश जादव उपस्थित थे।

शहर में विभिन्न जगहों पर महापौर एवं आयुक्त द्वारा सफाई व्यवस्था, होम कंपोस्टिंग एवं वाटर रिचार्जिंग सिस्टम का निरीक्षण

85 वार्डों में जिन मकानों में सबसे अधिक ग्रीनरी होगी ऐसे 85 मकान स्वामियों का होगा ग्रीन अवार्ड से सम्मान

इंदौर । महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा आज विजय नगर, स्कीम नंबर 78, निरंजनपुर, सयाजी चौराहा एवं अन्य क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, होम कंपोस्टिंग और वाटर रिचार्जिंग सिस्टम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौड़, पार्षद पूजा पाटीदार, अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन, अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अखिलेश यादव एवं अन्य उपस्थित थे।

महापौर भार्गव एवं आयुक्त वर्मा द्वारा निरीक्षण की शुरुआत रसोमा चौराहे के पास स्थित नाले की सफाई व्यवस्था से की गई। इसके पश्चात, महापौर और आयुक्त महोदय ने विजयनगर चौराहा क्षेत्र और स्कीम नंबर 78 निरंजनपुर चौराहा में सफाई व्यवस्था का अवलोकन करने के बाद, सयाजी चौराहा एवं अन्य क्षेत्रों में भी वाटर रिचार्जिंग सिस्टम और सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान महापौर और आयुक्त द्वारा आवश्यक सुधार के दिशा निर्देश भी दिए।

महापौर ने इंदौर शहर के ग्रीन कवरेज को बढ़ाने के लिए नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे 51 लाख पौधारोपण अभियान की जानकारी दी और बताया कि इस अभियान के तहत शहर के समस्त 85 वार्ड में जिस मकान में सबसे अधिक ग्रीनरी होगी ऐसे 85 मकान स्वामियों को %ग्रीन अवार्ड% से सम्मानित किया जाएगा। नगर निगम द्वारा अपने बजट में ग्रीन कवरेज को बढ़ाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के लिए %ग्रीन अवार्ड% का प्रावधान किया जाएगा । महापौर ने कहा, ÷हम इंदौर शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नागरिकों की भागीदारी से ही हम इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

निगम द्वारा झोन 13 में बिना अनुमति के निर्मित 10 हजार से अधिक स्के.फीट अवैध निर्माण पर रिमूव्हल कार्यवाही

इंदौर। भवन अधिकारी नागेन्द्रसिंह भदौरिया ने बताया कि आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा अवैध निर्माण होने पर नियमानुसार रिमूव्हल कार्यवाही करने के संबंध में निर्देश दिये गये थे, उक्त निर्देश के क्रम में आज झोन क्रमांक 13 वार्ड क्रमांक 74 के 03 स्थानो पर अवैध निर्माण के विरूद्ध रिमूव्हल कार्यवाही की गई। रिमूव्हल कार्यवाही के दौरान उपायुक्त लता अग्रवाल, भवन अधिकारी नागेन्द्रसिंह भदौरिया, भवन निरीक्षक अतुल सिंह, रिमूव्हल विभाग के बबलु कल्याणे, 100 से अधिक रिमूव्हल स्टाफ व अन्य उपस्थित थे। अधिकारी ने बताया कि आयुक्त महोदय के अवैध निर्माण के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देशानुसार झोन क्रमांक 13 वार्ड क्रमांक 74 के अंतर्गत हरगोविंद नगर में भवन स्वामी श्रीमती राजेन्द्र कौर अरोरा व श्रीमती हरप्रीत कौर अरोरा द्वारा 6 हजार स्के.फीट पर जी प्लस 1 पर बिना अनुमति के अवैध रूप से निर्मित होस्टल को पोकलेन व जेसीबी के माध्यम से रिमूव्हल करने की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 74 के अंतर्गत पिपल्याराव में भवन स्वामी जितेन्द्र तलरेजा द्वारा 2500 स्के.फीट पर एवं झोन क्रमांक 13 वार्ड क्रमांक 74 के अंतर्गत भुरा नगर में भवन स्वामी एपी गोस्वामी द्वारा बिना अनुमति से अवैध रूप से 2 हजार स्के.फीट पर जी प्लस 3 भवन का निर्माण करने पर उपरोक्त समस्त पर रिमूव्हल की कार्यवाही की गई। 4 जेसीबी व 6 पोकलेन के माध्यम से रिमूव्हल कार्यवाही की गई।

वाहन चालकों को अब विजय नगर चौराहा पार करने में होगी आसानी

इंदौर। इंदौर शहर के विजय नगर चौराहे पर अभी कार व अन्य वाहनों को ज्यादा समय तक सिग्नल पर रुकना पड़ता है। इस चौराहे से वाहनों को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस व इंदौर नगर निगम ने काम शुरू कर दिया है चौराहे पर लेफ्ट टर्न के लिए चौराहे के चारों ओर सीमेंट के प्रीकास्ट बैरियर रखे गए हैं, ताकि चौराहे पार करने वाले व लेफ्ट टर्न की ओर जाने वाले वाहनों को राह अलग-अलग व सुगम हो सके।अभी चौराहे पर सिग्नल की एक और जो वाहन खड़े होते हैं, उन्हें 75 से 90 मीटर की दूरी तय कर चौराहा पार करना पड़ता है। ज्यादा दूरी होने के कारण वाहनों को अभी चौराहा पार करने में ज्यादा समय लगता है। अब इस दूरी को कम कर 50 मीटर किया जाएगा। शुरुआत में अस्थाई स्टापर रख धीरे-धीरे उन्हें आगे बढ़ाकर देखा जाएगा कि वाहन चालक चौराहा कितने समय में पार करते हैं। इससे यहां खड़े रहने वाले वाहन सिग्नल की टाइमिंग से आसानी से इसे पार कर सकेंगे।

बीआरटीएस की रेलिंग 15 मीटर आगे बढ़ेगी

शहर में विजय नगर चौराहे पर सत्य साई व रसोमा चौराहे की ओर बीआरटीएस की मौजूदा रेलिंग को 15 मीटर आगे चौराहे तक बढ़ाया जाएगा। ऐसे में आई-बस भी कम समय में चौराहे को पार कर पाएगी। इसके अलावा रसोमा की ओर वाले हिस्से में बीआरटीएस के बीच बनी रोटरी को छोटा कर रेलिंग को 10 से 20 मीटर किया जाएगा।

फोल्डिंग सिग्नल का करेंगे उपयोग: इस चौराहे के बीच में बने मेट्रो पिलर के पास एक फोल्डिंग सिग्नल अस्थाई तौर पर रखा जाएगा। इसकी टाइमिंग सेट कर सत्य साई से रसोमा से जाने वाले वाहनों के चौराहा पार करने की टाइमिंग को तय किया जाएगा। मौजूदा सिग्नल से सयाजी से रसोमा की ओर जाने वाले वाहनों का मूवमेंट संचालित होगा।

न्याय में नहीं होगी देरी..., नए कानून के लिए बोले मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 लागू हो गया है प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि, आज से लागू किये गये भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम से अब हर किसी को समय पर सुलभ रूप से न्याय मिलेगा। न्याय में देरी नहीं होगी। दर्ज प्रकरणों में समय पर अनुसंधान होगा। समय पर प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि, अनुसंधान, विवेचना, निर्णय, आदेश और अपील के लिये समय-सीमा का निर्धारण किया गया है। इसके लिये हर स्तर पर जवाबदेही भी तय की गई है। उक्त व्यवस्था महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी बड़ा कदम है। महिला एवं बच्चों को नए कानून में विशेष संरक्षण मिला है। पुलिस कमिश्नरेट इंदौर द्वारा नए कानून-नए प्रावधान, दण्ड से शीघ्र न्याय की ओर विषय पर आयोजित एक संवाद कार्यक्रम के अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता, आईजी बीएसएफ बी.एस. रावत, कलेक्टर आशीष सिंह, रिटायर्ड डी.जे. विष्णु कुमार सोनी, शहर काजी डॉ. इशरत अली, वरिष्ठ समाजसेवी जनक पलटा सहित समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि मौजूद थे।संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि, नए कानून एवं प्रावधानों से नजरिये में परिवर्तन आयेगा। व्यवस्था के प्रति और अधिक विश्वास बढ़ेगा। न्याय में देरी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि, नए कानून एवं प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करना चाहिए। इसके लिए सभी स्तर पर सभी संबंधितों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाये। साधन एवं सुविधाएं मुहैया कराई जाये।

महिला, बच्चों व बुजुर्गों को बयान देने नहीं जाना होगा थाने, ई-एफआईआर की ?भी मिलेगी सुविधा

इंदौर। साइबर एक्सपर्ट के ओपिनियन को नए कानून में मान्यता मिली है, ट्रायल, इन्वेस्टीगेशन में सीधा लाभ मिलेगा सबसे बड़ी चुनौती एक आम आदमी की होती है, चाहे उसके खिलाफ या वह करे दो आदमी थाने में झूठ बोल दें, फिर भी पुलिस की मजबूरी रहती थी कि एफआईआर लिखना है अभी देश में यह स्थिति नहीं है कि 60-90 दिन में पुलिस बारीकी से जांच करें और खात्मा करे। उनकी अपनी परेशानियां हैं नए कानून में एविडेंस कलेक्ट की बात कही गई है, जिससे लाभ मिलेगा। कई नई चीजें इसमें आई हैं।

उदाहरण के लिए यदि कोई शादी का आश्वासन देकर महिला से दुष्कर्म करता है, इसमें अब दुष्कर्म की धारा में केस दर्ज नहीं होगा, इससे कानून का दुरुपयोग होने से बचेगा। यह बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में सोमवार से लागू हुए नए आपराधिक कानून-2023 के प्रचार प्रसार व जागरूकता के लिए आयोजित परिचर्चा में कही उन्होंने बताया कि मैंने एक सुझाव भी दिया है कि हर थाने पर दो एसएचओ हों, एक जांच और एक लॉ आर्डर के लिए। तभी जाकर सही अर्थों में जो बदलाव आए हैं, वे जमीन पर उतारे जा सकेंगे। क्योंकि अभी इसमें समस्या आएगी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि कोई भी नई पद्धति चालू होने से शुरू में परेशानी आ सकती है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के देखने का नजरिया यह होता था कि दंड देना है, लेकिन हमारा नजरिया है कि न्याय देना है। इसमें जल्द न्याय मिलेगा।

बुजुर्गों के पास जाएगी पुलिस

15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे और 60 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को अब बयान दर्ज करवाने थाने नहीं जाना पड़ेगा। पुलिस खुद घर या फिर जिस स्थान पर वह बयान देना चाहेंगे, वहां जाएगी। पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के समूह द्वारा किए अपराध को मॉब लिंचिंग के नाम से जाना जाएगा। इसमें हत्या में मृत्युदंड और मारपीट पर सात वर्ष का सजा व जुर्माना लगेगा। अभी तक सभी चोरी की घटनाओं में एक ही धारा में प्रकरण दर्ज होता था, लेकिन अब पूजा स्थल से मूर्ति या प्रतीक की चोरी करने पर सात वर्ष का कारावास और जुर्माने की सजा होगी।

अब ई-एफआईआर की ?भी मिलेगी सुविधा पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने बताया कि अब पीड़ित घर बैठे वेबसाइट और जीमेल से भी ई-एफआईआर दर्ज करवा सकते हैं। इसके लिए तीन दिन में थाने में उपस्थित होना पड़ेगा। वहीं अब जीरो एफआईआर भी किसी भी थाने में दर्ज की जा सकती है, चाहे वह उसके थाने के क्षेत्राधिकार में हुआ हो या नहीं।

● 90 दिन के अंदर पता चलेगा कि जांच कहां तक पहुंची

अभी थाने में शिकायत के बाद अकसर पीड़ित बार-बार थाने और अधिकारियों के चक्कर लगाता है, लेकिन उसे यह भी नहीं बताया जाता है कि जांच कहां तक पहुंची है। अब ऐसा नहीं होगा 90 दिन के अंदर जांच प्रगति के बारे में सूचना देने का प्रविधान है। वहीं 18 वर्ष से कम आयु की बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म पर मृत्युदंड की सजा का प्रावधान किया गया है।

विदेश से बयान के लिए ?नहीं आना पड़ेगा- अब तक बयान के लिए थाने आना पड़ता था, इससे विदेश या दूर रहने वाले को समस्या होती थी। अब नए कानून में वह ऑडियो-वीडियो के माध्यम से बयान दर्ज करवा सकेंगे। अब दुष्कर्म के प्रकरण की पीड़ित के कथन ऑडियो-वीडियो के माध्यम से लिए जा सकते हैं। इसके लिए उन्हें नहीं आना पड़ेगा।

किसी ने पाया नया दोस्त तो किसे ने डॉक्टर को बना लिया अपना बेटा

200 से अधिक मरीजों का हुआ मिलन समारोह, अपनेपन की उम्मीद के लिए आयोजन जरूरी: सीईओ मनीष गुप्ता

(दैनिक सद्भावना पाती)

इंदौर। 23 साल के रौनक माथे का स्पोर्ट्स इंज्यूरी के कारण करियर बंद होने की कगार पर था वहीं 65 वर्षीय मंजुला शाह पूरी तरह से बिस्तर पर आ गई थी, समय रहते सर्जरी करवाकर इनकी तरह कई लोगों ने एक नए जीवन की शुरुआत की। डॉक्टर्स डे के मौके पर 200 ऐसे ही मरीज जिन्होंने हिप और नी के साथ ही अलग-अलग तरह की रोबोटिक सर्जरी करवाई है। ये सभी एक साथ इकठ्ठा हुए और बहुत सारी सोशल एक्टिविटी का हिस्सा बने। इस एक्टिविटीज के पीछे टीम बिल्डिंग और एक दूसरे के साथ संपर्क बनाना मुख्य उद्देश्य था। यह पेशेंट अवेयरनेस कार्यक्रम ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स और डॉ. विनय तंतुवाय द्वारा आयोजित किया गया। आयोजन के सूत्रधार ऑर्थोपेडिक रोबोटिक सर्जन डॉ. विनय तंतुवाय ने बताया कि लगभग 1 वर्ष में रोबोटिक सर्जरी से 200 से अधिक जोड़ प्रत्यारोपण ऑपरेशन सफलतापूर्वक कर चुके है। उन्होंने बताया कि आज इंदौर शहर में कई राज्यों तथा महानगरों से पेशेंट आकर इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, एवं आज इस प्रोग्राम में ऐसे पेशेंट भी शामिल है जिनका अभी हाल ही में रोबोटिक सर्जरी द्वारा ऑपरेशन हुआ है और वे पूर्ण रूप से स्वस्थ है। पिछले 1 वर्ष में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र(मुंबई), राजस्थान और गुजरात के मरीज ने आकर इस सुविधा का लाभ ले चुके है, जो हमारे इंदौर के लिए गर्व की बात है।

निःसंकोच अपनी समस्या बता सके- डॉ. विनय

डॉक्टर और मरीज का रिलेशन हमेशा ऐसा होना चाहिए कि कोई भी मरीज आपको निःसंकोच अपनी समस्या बता सके। जब वह आपको सारी बातें खुल कर बताएगा तो ही आप उसका सही डायग्नोसिस व इलाज कर पाएंगे। इस रिलेशन को बनाने के उद्देश्य से पेशेंट अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मरीजों ने और उनके परिजनों ने बहुत तरह के माइंड गेम्स खेलें। यहां म्यूजिकल सेशन भी हुआ जिसमें सब ने जम कर डांस किया।

74 वर्षीय प्रेम कुमार गुप्ता ने बताया रिटायरमेंट के 10 साल बाद मेरा चलना फिरना लगभग पूरी तरह से बंद हो गया था और मेरे पैर भी टेढ़े हो गए थे ऐसे में कई लोगों ने अलग-अलग तरह के सुझाव दिए किसी ने कहा आयुर्वेद इलाज कराओ तो किसी ने कहा मालिश करवाओ लेकिन सर्जरी के सुझाव के साथ और उसके बाद के फायदे को बताते हुए जो मेरे अंदर आत्मविश्वास डॉक्टरों की टीम द्वारा लाया गया वहीं कारण था कि मैं इलाज करवाने के लिए राजी हो गया। आज के आयोजन में सिर्फ मरीज ही नहीं आए मेरी उम्र के और भी बहुत से लोग आए हैं जिनसे नई दोस्ती होगी और आगे के जीवन के लिए बहुत सारी बातें के दूसरे से साझा करने के रास्ते खुलेंगे।

71 वर्षीय देवेंद्र कुमार शर्मा ने बताया मैं सिविल इंजीनियर रहा हूं हमेशा फील्ड पर एक्टिव रहा हूं लेकिन जब मेरे घुटने जवाब देने लगे तो मेरी स्थिति घर में चलने फिरने में भी ठीक नहीं रही सुबह उठते ही मुझे सहारे की जरूरत पड़ती और दिन भर में एक ही जगह पर बंद कर रह गया था घुटनों की सर्जरी के बाद अब मैं रोजाना 5 से 6 किलोमीटर पैदल चलता हूं। मैंने सर्जरी के बाद अपने जैसे बहुत सारे साथियों को सर्जरी के बाद के नए जीवन के अनुभव बताएं और उन्हें भी समय रहते इस दर्द से निजात पाने के लिए प्रेरित किया। आज के आयोजन में सभी दोस्त मेरे साथ आए हुए हैं।

27 वर्षीय प्रशांत जैन ने बताया टर्फ में खेलते वक्त मेरा घुटना टूट गया था थोड़े समय बाद तो ऐसा लगा कि शायद खेल में करियर खत्म हो जाएगा लेकिन सर्जरी के बाद धीरे-धीरे रूटीन लाइफ में लौटने लगा मसल्स बिल्डिंग एक्सरसाइज की और अब वापस मैदान में ट्रेनिंग शुरू हो गई है आज के आयोजन में मुझे मेरे जैसे बहुत सारे स्पोर्ट्स पर्सन भी मिले जिनका किसी ने किसी एक्सीडेंट में इंज्यूरी के कारण खेलना बंद हुआ था। हमने आपस में बहुत सारी एक्सरसाइज और डेली रूटीन की बातों को शेयर किया थोड़े समय तो ऐसा लगा जैसे हम पुराने दोस्त मिल गए हो।

सीईओ मनीष गुप्ता

हमारे समाज में बहुत सारी ऐसी फैमिली है जिसमें बच्चे अपनी जिम्मेदारी के कारण माता पिता से दूर रहते है, और ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के अधिकतर पेशेंट की उम्र लगभग 60 के ऊपर होती है, ऐसे में इस प्रोग्राम को करने से उनके बीच अपनेपन की उम्मीद रहती है। आगे भी हम निरंतर अपने मरीजों के लिए इस प्रकार की एक्टिविटी करते रहेंगे जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें और दूसरों को अच्छे जीवन के लिए प्रेरित करे।

संपादकीय

हार के मुंह से मैच छीन लाई भारतीय टीम

कहते हैं कि हौसला और सब्र कायम रहे तो हारी हुई बाजी को भी जीत में तब्दील किया जा सकता है। बारबाडोस में टी-20 क्रिकेट विश्वकप के फाइनल मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर जो जीत दर्ज की, वह मौजूदा क्रिकेट की दुनिया की एक बड़ी उपलब्धि तो है ही, मगर इस खिताब को हासिल करने के क्रम में मैदान में जिस तरह का रोमांच पैदा हुआ, उसने भारत के लिए इस जीत को बेहद अहम और यादगार बना दिया। दरअसल, मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने अपने दमखम के जरिए एक दूसरे पर हावी होने की हर स्तर पर कोशिश की।

कभी दक्षिण अफ्रीका की टीम भारी पड़ती दिखी तो कभी भारत की टीम जीत के करीब दिखी। अपनी पारी में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 176 रन बनाए और दक्षिण अफ्रीका के सामने एक मजबूत चुनौती रखी थी। हालांकि अतीत में दक्षिण अफ्रीका की टीम के प्रदर्शन को देखते हुए इस लक्ष्य को बहुत मुश्किल काम नहीं माना जा रहा था और एक समय वह जीत के बेहद करीब पहुंच भी गई थी, मगर अंतिम पांच ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने बाजी पलट दी।

यों बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तक के मामले में दोनों ही टीमों ने बेहतरीन क्रिकेट का प्रदर्शन किया, लेकिन मैच के आखिरी दौर में भारत ने मैदान में गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर पूरा जोर लगा दिया और एक तरह से हाथ से छूटती बाजी को दक्षिण अफ्रीका से आखिरकार छीन लिया। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि बीस ओवरों के मैच में पंद्रह ओवर तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने जैसी पकड़ बना रखी थी, उसमें उसे रोक पाना एक मुश्किल चुनौती थी।

मगर यह कहा जा सकता है कि इस मैच के आखिरी ओवरों में भारतीय खिलाड़ियों ने गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के मामले में जैसा प्रदर्शन किया, उसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने अपनी गेंदों से एक ओर विपक्षी टीम के हाथ बांध दिए, दूसरी ओर उनके मजबूत खिलाड़ियों को मैदान बाहर भी भेज दिया। इसमें हार्दिक की गेंद पर मिलर के छक्का मारने की कोशिश को सीमा रेखा पर सूर्यकुमार यादव ने जिस तरह शानदार और यादगार कैच पकड़ कर रोका, उसने मैच की बाजी पलट दी।

गौरतलब है कि टी-20 में यह दूसरा मौका है, जब भारत ने खिताबी जीत हासिल की है और जाहिर है इसके साथ ही एक तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय दावेदारी एक बार फिर पुष्ट हुई है। मगर इस मैच के साथ ही टी-20 के इस प्रारूप में भारत के मजबूत स्तंभों- विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने संन्यास लेने की घोषणा कर दी। अब ये तीनों खिलाड़ी इसके अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में मैदान में नहीं दिखेंगे, मगर उनसे प्रेरणा हासिल कर एक नई पीढ़ी विश्व क्रिकेट के इस मोर्चे पर उतरेगी।

विराट कोहली ने अपने संन्यास की घोषणा के मौके पर कहा भी कि अब समय आ गया है कि अगली पीढ़ी टी-20 मैचों में भारत को आगे ले जाएं। बहरहाल, इस खिताबी जीत के साथ भारत ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह आज भी क्रिकेट की दुनिया में बादशाहत का रुतबा रखता है और मैच में रोमांच और उत्तेजना बनाए रखते हुए जीत को अपने हिस्से कर सकता है।

नई सदी में मार्क्सवाद का सृजनात्मक विमर्श

अजीत कुमार जैन

मार्क्सवाद ही मानवता का भविष्य है। वर्ष 2000 में बीबीसी के विश्वस्तरीय सर्वे में मार्क्स को इतिहास का महान विचारक माना है। 2020 में यूरोपीय देशों में ''पूंजी'' के विभिन्न भाषाओं में प्रकाशन हुए है। ऐसे मे मार्क्सवादियों की जबाबदेही बन जाती है कि मार्क्सवाद विकसित कर अगली पीढ़ी तक ले जाए। मार्क्स न सिर्फ दार्शनिक थे बल्कि एक वैज्ञानिक भी थे। दुनियां में गरीबी का वास्तविक कारण अधिशेष मूल्य (सरप्लस) को उजागर किया। कार्ल मार्क्स ने हमेशा के लिये इतिहास को मोड़ दिया, जब उन्होंने कम्युनिस्ट घोषणा पत्र में क्रांति की राह अंत में कह दी ''दुनिया के मजदूरों एक हो'' गंवाने के लिये गरीबी की जंजीर के अलावा कुछ नहीं और जीतने को पूरी दुनियां है। कोई क्रांतिकारी विचार एक जगह रूक नहीं सकता। मार्क्सवाद को हठधर्मिता न बनाया जाए। मार्क्सवाद को समय के साथ आगे बढ़ना चाहिये। मानवीय मूल्यों के मार्गदर्शक महान अक्टूबर क्रांति के महानायक एवं मार्क्सवादी सिद्धांतकार ब्लादिमीर इलिच लेनिन ने मार्क्सवाद का सृजनात्मक विकास कर मार्क्सवाद-लेनिनवाद का क्रांतिकारी सिद्धांत प्रस्तुत किया। दुनिया में मार्क्सवादी दर्शन को धरातल पर उतारने का श्रेय महामानव लेनिन को है। उन्होंने मार्क्सवादी दर्शन, चिंतन, शोषण के विरूद्ध संघर्ष के सिद्धांतों की न केवल व्याख्या की बल्कि तत्कालीन हालत में मार्क्सवाद में सृजनात्मक अमिट योगदान कर मार्क्सवाद लेनिनवाद नाम से प्रचलित दार्शनिक-राजनैतिक सिद्धांत विकसित किये। लेनिन ने मार्क्सवादी सूत्रों की विवेचना, समीक्षा एवं विकास कर समूची मानव जाति को आइना दिखाया। मार्क्सवाद विज्ञान है, विज्ञान में निरंतर विकास व परिवर्तन वैज्ञानिक भौतिकवादी, द्वंद्ववाद की शिक्षा है। महान लेनिन का अवसान वर्ष 1924 में हुआ था। अब वर्ष 2024 में एक सौ वर्ष व्यतीत होने पर 21वीं सदी के सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी क्रांति के दौर में मार्क्सवाद का पुनः वैश्विक पुर्नभाष्य व विकास की जरूरत है। सन् 1990 के बाद से लगभग दुनिया भर में तथा भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन ठहराव की स्थिति में है। मार्क्सवाद में पूरी निष्ठा के साथ कि मार्क्सवाद ही मानव जाति का भविष्य है। परन्तु ठहराव कुछ चिंता पैदा करती है। महान लेनिन के बाद मार्क्सवादियों ने बहुत कुछ लिखा है, सोचा है, परन्तु लेनिन जैसी प्रमाणिक एवं वैश्विक स्वीकार्यता नहीं बनी है। अतः भारत सहित दुनियाभर में 21वीं सदी एवं भविष्य के लिये मार्क्सवाद की पुनर्समीक्षा एवं विकास अपरिहार्यता ग्रहण कर चुका है। तब ही हम ठहराव के दौर से निजात पा सकेगें।दर्शन श्रमिक वर्ग को मुक्ति के आत्मिक हथियार देता है तथा श्रमिक वर्ग दर्शन को भौतिक हथियार देता है। इस नियम के द्वन्द्ववादी संबंध के ज्ञान की अनदेखी दर्शन को ठहराव के माध्यम से विपरीत दिशा में मोड़ देता है। इस प्रकार मुक्ति के आत्मिक हथियार खो जाते हैं। मार्क्सवादी विज्ञान दर्शन की विशेषता है कि वह झूठ को परास्त करता है और सत्य की हमेशा जीत होती है।

मार्क्स ने कम्युनिस्ट घोषणा पत्र में यह स्पष्ट किया है कि प्रत्येक ''वर्ग संघर्ष एक राजनैतिक संघर्ष है।'' अतः वर्ष संघर्ष राजनैतिक शक्ति प्राप्त करने का साधन है। ''श्रमिक संघर्ष और वर्ग संघर्ष में अंतर होता है। प्रत्येक ''श्रमिक संघर्ष -वर्ग संघर्ष नहीं होता है।'' श्रमिक संघर्ष पूंजीवादी व्यवस्था के भीतर सुधार प्राप्त करने तक सीमित होता है। यह प्रगतिवादी होता है लेकिन वर्ग संघर्ष नहीं होता है। आर्थिक संघर्ष और राजनैतिक संघर्ष में अंतर होता है। आर्थिक संघर्ष एक प्रकार से श्रमिक संघर्ष के समान है जो मौजूदा व्यवस्था के भीतर आर्थिक -हित-पूर्ति के लिये श्रमिक संघर्ष होता है। जबकि राजनैतिक संघर्ष दोहरी प्रवृत्ति वाला होता है जो सत्ता प्राप्त करने के साथ आर्थिक हितों की पूर्ति करता है। अतः श्रमिक संघर्ष में आर्थिक, राजनैतिक एवं वैचारिक तीनों पक्षों को एक साथ अमल करने से चेतनशील वर्ग संघर्ष बनता है।

वैज्ञानिक तकनीकी क्रांति, ए.आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कंप्यूटर तकनीक तथा उत्पादन के विकसित साधनों से शोषण, अधिशेष मूल्य 19वीं सदी की तुलना में सौ गुना ज्यादा है और उत्पादन के साधन का आधुनिक स्वामी सौ गुना मुनाफा कमा रहा है। इसी कारण भारत सहित दुनिया में अरबपतियों की संख्या में इजाफा हुआ है। वैज्ञानिक तकनीकी क्रांति ने मजदूर वर्ग का चरित्र एवं संरचना बदल दी है। शारीरिक श्रम-मानसिक श्रम में बदल गया है। 19वीं सदी में सर्वहारा सामाजिक पिछड़ापन, अशिक्षित होता था और सिर्फ शारीरिक श्रम करता था शायद इसी को सर्वहारा कहा गया होगा। परन्तु 21वीं सदी में उत्पादन के विकसित साधनों में शिक्षित श्रमिक वर्ग को लाखों रूपयों के पैकेज आकर्षित करते हैं। असंगठित क्षेत्र के न्यूनतम वेतन, प्रजातंत्र, संविधान के कारण कुछ मानवीय अधिकार प्राप्त हो गये हैं। ऐसी स्थिति में वर्ग संघर्ष की शक्ति से 21वीं सदी में सत्ता पर कब्जा या क्रांति संभव है क्या ? लैटिन अमेरिकी द्वीप एवं अफ्रीकी देशों में प्रो-लेफ्ट, समाजवादी व कम्युनिस्ट चुनाव प्रक्रिया से सत्ता पर काबिज हो रहे हैं। अतः 21वीं सदी में शोषण के रूप में प्रगति तथा मजदूर वर्ग की सामाजिक, आर्थिक संरचना में बलपूर्वक सत्ता हथियाना क्या संभव है ?

आज के दौर में चुनावी प्रक्रिया से सत्ता परिवर्तन संभव है ? अतः मेहनत वर्ग, छात्र युवा, महिलाओं के बीच उनमें राजनैतिक चेतना पैदा करने से सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक संघर्ष खड़ा किया जाना आवश्यक है। गैर वर्गीय संगठन,छात्र-युवा-महिला-किसान-आबादी तीन चैथाई हैं। इन समूहों में हमारी पहुंच के बगैर इन्हें बुर्जुआ परम्परा, रीति रिवाज, धार्मिक कर्मकांडों से निकाले वगैर इन्हें क्रांतिकारी चेतना से लैस नहीं किया जा सकता है। वैश्विक व भारतीय संदर्भ में शास्त्रीय मार्क्सवादी (क्लासीकल) बुद्धिजीवियों को मार्क्सवाद लेनिनवाद का पुर्न भाष्य एवं विकास करने का मुख्य कार्यभार पूरा करना होगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः भविष्य की दिशा

प्रोफेसर रोहित यादव
मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूट इंदौर
(दैनिक सदभावना पाती)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज के युग की एक महत्वपूर्ण तकनीकी क्रांति है, जो हमारे जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। एआई का उपयोग अब केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, और मनोरंजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुका है। एआई तकनीक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह कार्यों को अधिक तेज़, सटीक और कुशल बना सकती है। स्वचालित गाड़ियों से लेकर वॉयस असिस्टेंट तक, एआई ने हमारे दैनिक जीवन को आसान और सुविधाजनक बना दिया है। चिकित्सा क्षेत्र में, एआई आधारित उपकरण और सॉफ्टवेयर ने रोगों की पहचान और इलाज में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। हालांकि, एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ कुछ चिंताएं भी उभर रही हैं। गोपनीयता और डेटा सुरक्षा के मुद्दे, रोजगार में कमी, और नैतिक सवाल ढ्ढ के विकास के साथ जुड़े हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई का जिम्मेदार और नैतिक उपयोग ही इसके फायदों को अधिकतम और हानियों को न्यूनतम कर सकता है। एआई का भविष्य अत्यधिक संभावनाओं से भरा है। सरकारों, संगठनों और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआई का उपयोग समाज के सभी वर्गों के लिए लाभकारी हो। एआई के माध्यम से हम एक स्मार्ट, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की कल्पना कर सकते हैं, बशर्ते इसका उपयोग सही दिशा और नियम के तहत किया जाए।

नए निजाम में अल्पसंख्यकों की प्रताड़ना

शासक दल का असली चाल- चरित्र- और चेहरा

तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार के चंद दिनों के कार्यकाल में ही उसके अनुषांगी संगठनों के आपराधिक कृत्य, अल्पसंख्यकों के प्रति घृणा पुनः अपने पुराने स्वरूप को दोहराने लगी है। संसदीय चुनाव के कुछ दिन पूर्व और प्रचार के दौरान भाजपा और संघ के मीठे बोल, चुनाव परिणाम पश्चात अब कड़वे साबित हो रहे हैं। वास्तव में भाजपा का यही असली चरित्र है, जिसे शराफत का नकाब पहनाया गया था। चुनाव पश्चात अचानक ही गौ मांस,गौ तस्करी के नाम पर हत्याएं, मारपीट, लिंचिंग की घटनाएं सामने आई है। देश के दूरदराज क्षेत्रों में हुई घटनाओं के विस्तार में न जाकर अपने क्षेत्र के निकटवर्ती घटनाओं को देखें तो एक सधा हुआ पैटर्न समझ में आता है। मंदसौर में लगभग एक सप्ताह पूर्व 28 जून को क्षेत्र के बेहद प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सेंट थॉमस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में तोड़-फोड़ की गई तथा दूसरी खबर थी एक धार्मिक समूह द्वारा शिवना नदी में बकरा ईद के अपशिष्ट फेंकने वालों पर कार्यवाही की मांग। क्या यह मात्र संयोग है कि एक ही दिन में दो अलग-अलग हिंदू संगठनों विश्व हिन्दू परिषद और विद्यार्थी परिषद द्वारा अलग-अलग अल्पसंख्यक समुदाय को टारगेट किया गया ? यह दोनों घटनाएं कई सवाल उठाती है।

सेंट थॉमस सीनियर सेकेंडरी स्कूल से विगत 40 वर्षों में अनेक विद्यार्थी अध्ययन कर देश-विदेश में नाम कमा चुके हैं। धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के साथ संचालित यह संस्था कभी धार्मिक भेदभाव नहीं करती। ऐसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में तोड़-फोड़ की घटना निंदनीय कृत्य है। समाचारों के अनुसार विद्यार्थी परिषद के कुछ नेता सेंट थॉमस स्कूल पहुंचे उनके अनुसार वे अपने संगठन द्वारा 9 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शामिल होने के लिए उन्हें आमंत्रित करने आए थे। स्कूल प्रबंधकों ने उन्हें स्कूल के अंदर आने से रोका, इंतजार वहीं प्रबंधन के अनुसार स्कूल के बच्चों को बिना अभिभावकों की अनुमति के कहीं जाने की अनुमति नहीं होती। उन्होंने यह बात इन नेताओं को समझाई थी। लेकिन वे अपनी ज़िद पर अड़े रहे। तोड़फोड़ की घटना से भयभीत बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रबंधकों ने उन्हें कक्षाओं में बंद कर दिया।

अब सवाल यह उठता है कि एक निजी शिक्षण संस्थान में बिना अनुमति के जबरन घुसने की कोशिश करना, तोड़फोड़ करने का अधिकार उन्हें किसने दिया ? प्रबंधकों से यह कहना कि वे भगवा वस्त्र पहनाकर ही बच्चों को कार्यक्रम में भेजें ऐसा निर्देश देने का अधिकार उन्हें किसने दिया ? अगर वे विद्यार्थियों को अपने संगठन का सदस्य बनाने भी आए थे तो चलती कक्षाओं के बीच उन्हें ऐसी अनुमति कैसे दी जा सकती थी। देखा जाए तो सेंट थॉमस स्कूल से शिक्षा प्राप्त करने वाले सर्वाधिक विद्यार्थी हिंदू ही है, इनमें कई भाजपा नेताओं के बच्चे भी हैं। इतने वर्षों से विद्यार्थियों के किसी पालक ने ऐसी कोई शिकायत नहीं की है। फिर विद्यार्थी परिषद के नेताओं का यह कहना कि यह हिंदू विरोधी स्कूल है, इसके पीछे की राजनीति को समझने की जरूरत है स्थानीय शिवना नदी को लेकर आम जन के साथ शासकों का भी दोहरा चरित्र रहा है। एक तरफ नदी को माता की संज्ञा से विभूषित किया जाता है तो दूसरी ओर नदी को इस स्तर तक प्रदूषित किया जाता है कि नदी का जल विषैला हो जाता है। प्रदूषण के अन्य कारकों पर ध्यान ही नहीं दिया जाता है। शिवना नदी में अपशिष्ट फेंकने के जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही होना चाहिए। इस मांग का पूरी तरह से समर्थन करते हुए क्या यह नहीं पूछा जाना चाहिए कि पर शिवना के प्रदूषण के लिए मात्र एक धार्मिक समूह द्वारा की गई एक घटना ही जिम्मेदार है ? नदी में शहर के गंदे पानी को मिलने से रोकने में असफल प्रदेश सरकार, नगरीय निकाय जिन पर भाजपा के प्रतिनिधि बैठे हैं। एक उद्योग द्वारा नदी में मिलाया जा रहा रासायनिक अपशिष्ट के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कभी प्रदर्शन और ज्ञापन क्यों नहीं दिया गया ? शिवना नदी में जलकुंभी और ऑक्सीजन की कमी से प्रतिवर्ष लाखों की तादाद में मारे जाते जलचरों के प्रति उनकी भावना आहत क्यों नहीं होती ?

7 जून को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के निकट औरंग थाना क्षेत्र में तीन मुस्लिम युवकों को बुरी तरह पीटा गया। दो को महानदी पर बने पुल से 60 फीट नीचे फेंक दिया गया। तीनों युवको की मौत हो गई। बताया जाता है कि इन युवकों को गौ तस्करी के आरोप में ट्रक से खींचकर मार डाला गया। दो घटनाएं राजस्थान के उदयपुर में भी हुई जब एक शिक्षक को विश्वविद्यालय में कक्षा से खदेड़ा गया तथा गांधी जी पर एक पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम की अनुमति को रद्द कर दिया गया था। दोनों घटनाओं के पीछे शिकायत कर्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद था।

8 जून 2024 को उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में हिंदी के जाने-माने आलोचक प्रोफेसर हिमांशु पांडे के साथ विद्यार्थी परिषद से जुड़े असामाजिक तत्वों ने घोर अपमानजनक व्यवहार किया, कक्षा में शोध पद्धति विषय पर व्याख्यान के दौरान उन्हें क्लास छोड़ने पर विवश किया गया, गालियां दी गई, अपमानजनक नारे लगाते हुए जुलूस की शक्ल में कैंपस के बाहर तक पीछा किया गया। इन तत्वों के अनुसार वे प्रोफेसर की फेसबुक पर छः माह पुरानी एक पोस्ट से आहत थे, जिसमें उन्होंने बाबरी विध्वंस की घटना से उपजी अपनी पीड़ा जाहिर की थी। गुंडा तत्वों का आरोप था कि प्रोफेसर हिमांशु फिलिस्तीन समर्थक हैं। एक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में किसी भी विषय पर विरोध और समर्थन हो सकता है। भारतीय संविधान इसकी इजाजत देता है। इसी कारण अभिव्यक्ति की आजादी को मूल अधिकारों में शामिल किया गया है। चिंता की बात यह है कि हिंदुत्व आदि संगठनों ने अपने हिंसक व्यवहार से विश्वविद्यालय में संवाद की गुंजाइश को समाप्त कर दिया है। वे चाहते हैं कि विद्यार्थियों को वही पढ़ाया जाए जो उनकी संकुचित विचारधारा के अनुरूप हो। दूसरी घटना में विद्यार्थी परिषद की आपत्ति पर गांधी जी पर लिखी पुस्तक के पूर्व निर्धारित विमोचन कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। पाक्षिक पत्रिका महावीर समता संदेश और संवाद समता मंच के संयुक्त तत्वाधान में ÷गांधी महात्मा और सत्यधर्मी÷ पुस्तक का विमोचन होना था। सच्चाई तो यह है कि बीते चुनाव में हिंदूत्ववादी विचारधारा का पराभव हुआ है। जनता के इस फैसले से ये संगठन बौखला गए हैं। ये चाहते हैं कि उनके द्वारा विगत 10 वर्षों में विकसित नफरत और डर का माहौल बना रहे। इसलिए वे देश में ऐसी हरकतें कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में मतदाताओं द्वारा हिंदुत्ववादी राजनीति के ठुकराए जाने के बाद भी देश में फासीवाद का दौर जारी है। आशंका है कि आने वाले समय में यह राजनीति और अधिक खूंखार और बर्बर रूप में सामने आएगी।

प्रश्नपत्र लीकः छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

डॉ. अर्चना पाण्डेय
मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूट
(दैनिक सदभावना पाती)

परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होना एक गंभीर समस्या है, जो छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है जब प्रश्नपत्र लीक होने की खबर सामने आती है, तो छात्रों के मन में अनेक तरह की चिंताएँ और तनाव उत्पन्न हो जाते हैं। यह स्थिति न केवल उनके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचाती है, बल्कि उनकी मेहनत और समर्पण को भी व्यर्थ कर देती है प्रश्नपत्र लीक की घटना के बाद छात्रों को परीक्षा फिर से देने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे उनका मानसिक तनाव बढ़ जाता है। यह दोहरी मेहनत और समय की बर्बादी का कारण बनती है। छात्रों को यह महसूस होता है कि उनकी ईमानदारी और मेहनत का कोई मोल नहीं है, जिससे उनके मन में हताशा और निराशा उत्पन्न होती है। इस प्रकार की घटनाओं से उनकी तैयारी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि उन्हें बार-बार वही पाठ्यक्रम पढ़ना पड़ता है।

इसके अलावा, प्रश्नपत्र लीक होने से छात्रों के मन में शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली के प्रति अविश्वास पैदा होता है। वे सोचने लगते हैं कि मेहनत से अधिक महत्वपूर्ण अनुचित साधनों का उपयोग है। इससे उनके नैतिक मूल्यों पर भी प्रभाव पड़ता है। परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं से निपटने के लिए शिक्षा प्रणाली में सुधार आवश्यक है। सुरक्षित और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने से ही छात्रों का विश्वास वापस पाया जा सकता है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और उनकी मेहनत की कद्र करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि वे बिना किसी दबाव के अपनी शिक्षा पूरी कर सकें और अपने भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बना सकें।

सरकार और विपक्ष आम सहमति चाहेंगे या टकराव?

कल्याणी शंकर

मोदी ने कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में उनकी सरकार आम सहमति बनाने का लक्ष्य रखेगी। सत्र से पहले मोदी ने सभी मामलों पर सहमति बनाने की कोशिश की और विपक्ष की आलोचना करते हुए समस्याएं पैदा करने की कोशिश की। इसके बावजूद, नई लोकसभा के पहले सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच दुश्मनी देखने को मिली। राहुल गांधी ने सदन में लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करने में विपक्ष की भूमिका के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने सदन के कामकाज में सहायता करने की इच्छा जताई और विश्वास-आधारित सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। लोकसभा ने सकारात्मक कामकाज की संभावना दिखाई है, लेकिन टकराव पहले ही पैदा हो चुका है। पहले सत्र के एक सप्ताह के भीतर ही भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार और विपक्ष के बीच दुश्मनी के संकेत दिखने लगे थे। विवादास्पद मुद्दों में संभवत- समान नागरिक संहिता, एक राष्ट्र एक चुनाव, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, अग्निपथ योजना, जनगणना और परिसीमन शामिल हैं। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने टिप्पणी की है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि प्रधानमंत्री चुनावी नतीजों से सहमत हैं या मतदाताओं द्वारा उन्हें भेजे गए संदेश पर विचार किया है। उन्होंने कहा कि मोदी आम सहमति के महत्व का उपदेश देते हैं, लेकिन टकराव को महत्व देते हैं। भाजपा का लक्ष्य यह दिखाना है कि मोदी 3.0 में पूरी तरह नियंत्रण में है। हालांकि, मोदी सरकार अब 2 प्रमुख सहयोगियों जद (यू) और तेदेपा के महत्वपूर्ण समर्थन पर निर्भर है। इसका मतलब है कि निर्णय एक साथ लिए जाते हैं, और एन.डी.ए. के सहयोगी सरकार की योजनाओं और कार्यों को बहुत प्रभावित करते हैं। 2019 और 2014 में, भाजपा के पास पर्याप्त बहुमत था। विभिन्न संसदीय समितियों में विपक्ष की बढ़ती उपस्थिति से अधिक सहभागिता उत्पन्न होने की उम्मीद है। लोकसभा का पहला सत्र विपक्ष के मजबूत रुख के साथ शुरू हुआ। सत्र शुरू होने से पहले ही बीजद सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने पर विवाद हो गया था, ताकि नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जा सके। कांग्रेस और 'इंडिया' ब्लॉक के सदस्यों का मानना था कि 8 बार निर्वाचित कांग्रेस सांसद के. सुरेश को यह पद दिया जाना चाहिए था। हालांकि, भाजपा ने तर्क दिया कि उन्होंने नियमों का पालन किया। महताब लगातार 7 बार सदन के लिए चुने गए, जबकि सुरेश 2 चुनाव हार गए। यह नियुक्ति महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकसभा के प्रमुख के रूप में भारतीय संसदीय प्रणाली में अध्यक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दूसरे, राहुल गांधी ने कहा कि वह एन.डी.ए. उम्मीदवार ओम बिरला का समर्थन करेंगे, लेकिन केवल तभी जब उपाध्यक्ष का पद, जो आमतौर पर विपक्ष को दिया जाता है, सुनिश्चित हो।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सदभावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्सऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

5 प्रतिशत ब्याज पर 3 लाख लोन दे रही मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में कई ऐसी योजनाओं की शुरुआत की, जिसका सीधा लाभ गरीब वर्ग को होता है। ऐसी ही एक योजना- पीएम विश्वकर्मा है। साल 2023 में 17 सितंबर को पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की गई। अब तक इस योजना में 13 लाख से ज्यादा लोग रजिस्टर्ड हो चुके हैं। आइए योजना की डिटेल जान लेते हैं। इस योजना के दायरे में अपने हाथों और औजारों की मदद से काम करने वाले कारीगरों समेत 18 व्यवसाय को जोड़ा गया है। इसके दायरे में बढ़ई, नाव निर्माता हथियार निर्माता, लोहार, हथौड़ा और टूल किट निर्माता, ताला बनाने वाला, सोनार, कुम्हार, मूर्तिकार (मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाला), पत्थर तोड़ने वाला शामिल है। इसके अलावा मोची/जूता कारीगर, राजमिस्त्री, टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला, धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने का जाल निर्माण में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को शामिल किया गया है।पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 3 लाख रुपये तक लोन मिल सकता है। यह लोन बिना कुछ गिरवी रखे दिया जाता है। लोन को 1 लाख और 2 लाख रुपए के दो किश्तों में क्रमशः 18 महीने और 30 महीने की अवधि के लिए 5 प्रतिशत निर्धारित रियायती ब्याज दर पर दिया जा रहा है।जिन लाभार्थियों ने बेसिक ट्रेनिंग पूरी कर ली है, वे एक लाख रुपये तक की ऋण सहायता की पहली किश्त का लाभ उठाने के पात्र होंगे। दूसरी ऋण किश्त उन लाभार्थियों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने पहली किश्त का लाभ उठाया है और एक मानक ऋण खाता बनाए रखा है। इसके अलावा अपने व्यवसाय में डिजिटल ट्रांजैक्शन को अपनाना भी अनिवार्य है।

एलाइड ब्लेंडर्स आईपीओ की शेयर बाजार में शानदार लिस्टिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। शराब बेचने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स आईपीओ ने स्टॉक मार्केट में शानदार शुरुआत की है। कंपनी के शेयर 13 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ बीएसई में 318.10 रुपये पर लिस्ट हुआ है। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयर 14 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 320 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। हालांकि, मजबूत लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। बीएसई में कंपनी के शेयर 319.90 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंचने के बाद लुढ़क गए हैं।एलाइड ब्लेंडर्स के शेयर 10.25 मिनट पर बीएसई में 310.40 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे थे। बता दें, कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 267 रुपये से 281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।स्वास्तिक इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड की वेल्थ हेड शिवानी नयती कहती हैं कि कंपनी की लिस्टिंग प्री-लिस्टिंग चर्चाओ के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में जो निवेशक इस स्टॉक को होल्ड करना चाहते हैं वे सभी इश्यू प्राइस पर अपना स्टॉप लॉस इश्यू प्राइस पर रखना चाहिए।कंपनी ने आईपीओ के लिए 53 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से एक रिटेल निवेशक को कम से कम 14,893 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। कंपनी के कर्मचारियों को हर एक शेयर पर 26 रुपये की छूट दी गई थी। रिटेल निवेशकों के लिए 25 जून 2024 से 27 जून 2024 तक ओपन हुआ था। बता दें, कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 24 जून को खुला था।

मध्य प्रदेश में 25.82 लाख बेरोजगार, जिन्हे ऑफर लेटर दिए उसमे कितने सरकारी और कितने प्राइवेट इसका कोई डेटा ही नहीं

मप्र। मध्य प्रदेश विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन सामने आया कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने प्रदेश में बेरोजगारों की जानकारी के संबंध में प्रश्न लगाया था कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की ओर से जो जानकारी आई उसके अनुसार प्रदेश में 25 लाख 82 हजार 759 बेरोजगार हैं जिनका रोजगार कार्यालय में पंजीयन है। 35 महीनों में 2.32 लाख युवाओं को ऑफर लेटर दिये गए। लेकिन इनमें से कितने सरकारी नौकरी में है या कितने प्राइवेट नौकरी में हैं इसका डेटा नहीं है 183 ट्रांसजेंडर भी बेरोजगार प्रदेश में पुरुष और महिला युवाओं के साथ ट्रांसजेंडर भी बेरोजगार हैं। इनकी संख्या 183 है।इसके अलावा 15 लाख 90 हजार 387 पुरुष और 9 लाख 92 हजार 189 महिलाएं बेरोजगार हैं।

भोपाल में सबसे ज्यादा बेरोजगार

प्रदेश में सबसे ज्यादा बेरोजगार राजधानी भोपाल में ही है। यहां 1 लाख 72 हजार 37 युवाओं ने रोजगार कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराया हुआ है।वहीं ग्वालियर में भी 1 लाख 9 हजार 253 बेरोजगार है। पार्ढूना में सबसे कम 9 बेरोजगार हैं, वहीं मैहर में ये संख्या 25 है रीवा में सबसे ज्यादा तो अलीराजपुर में सबसे कम मिले ऑफर लेटर

1 जुलाई 2021 से 31 मई 2024 तक इन 35 महीनों में रोजगार की बात करें तो सबसे ज्यादा रीवा में 15 हजार 995 और अलीराजपुर में सबसे कम 141 युवाओं को ऑफर लेटर दिये गए हैं।वहीं भोपाल में 14 हजार 617, इंदौर में 10690 और जबलपुर में 10508 युवाओं को ऑफर लेटर दिये गए हैं।

हर साल रोजगार मेलों का आयोजन

बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के लिए हर साल रोजगार मेले का आयोजन किया जाता है। इसमें प्राइवेट कंपनियों को आमंत्रित किया जाता है।प्राइवेट कंपनियां योग्यता के आधार पर युवाओं को ऑफर लेटर देती है। हालांकि ये प्रक्रिया विवादों में रही है। इन मेलों पर आरोप लगते रहे हैं कि यहां आने वाली कंपनियां जो ऑफर करती है, उसे पूरा नहीं करती। जिसके कारण युवा एक दो महीने में ही वापस लौट आते हैं।

आंदोलन कर रहे वेटिंग शिक्षकों के लिए अच्छी खबर, वर्ग 1 शिक्षक भर्ती 2023 में हो सकती है पदवृद्धि

मप्र। मध्य प्रदेश में वर्ग 1 शिक्षक भर्ती 2023 में पदवृद्धि के लिए आंदोलन कर रहे वेटिंग शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है उच्च माध्यमिक यानी वर्ग 1 शिक्षक भर्ती में पद बढ़ सकते हैं। सरकार इस पर विचार कर रही है। ये कैसे संभव हो सकता है, आइये आपको सिलसिलेवार समझाते हैं। उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती 2023 में कुल 8720 पदों पर भर्ती हो रही है। ये भर्ती 16 विषयों में हो रही है। विषयवार भर्ती होने से 100 में से 85 नंबर लाने वाले भी कई उम्मीदवार शिक्षक नहीं बन पा रहे थे।हीं कई विषयों में मध्य प्रदेश से ज्यादा अन्य राज्यों के उम्मीदवारों की जॉइनिंग हो रही है सैकड़ों उम्मीदवारों के लिए ये लास्ट चांस है, क्योंकि इसके बाद वे ओवर एज हो जाएंगे।

132 दिनों से भटक रहे:

वर्ग 1 शिक्षक भर्ती में पद वृद्धि की मांग उम्मीदवार लंबे समय से कर रहे थे। लेकिन इसकी असल लड़ाई 20 फरवरी 2024 को रिजल्ट आ जाने के बाद शुरु हुई। इन 132 दिनों में पदवृद्धि करवाने वेटिंग शिक्षक दर दर भटके।एक दर्जन से ज्यादा आंदोलन- ओवर एज हो रहे वेटिंग शिक्षकों के लिए ये लड़ाई करो या मरो जैसी ही रही। राजधानी भोपाल में 12 मार्च को बीजेपी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन, 13 जून को महाआंदोलन और फिर 1 जुलाई को विधानसभा के लिए मार्च जैसे आंदोलन किए।35 जनप्रतिनिधियों को सौंपा पत्र- वेटिंग शिक्षकों ने अपनी आवाज को जिम्मेदारों तक पहुंचाने के लिए पक्ष विपक्ष के 35 जनप्रतिनिधियों को अपना मांग पत्र सौंपा। इसमें विभागीय मंत्री सहित सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर, वीडी शर्मा, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह के नाम शामिल हैं।

Top Emerging Study Abroad Destinations, Average Living Costs

As visa regulations in traditional study destinations become more stringent, students are exploring a wider range of countries for their education. Countries like Malta, Singapore, Dubai, Italy, and various European nations are attracting Indian students with streamlined visa processes, diverse academic programs, and competitive living and tuition fees.

French President Emmanuel Macron has set an ambitious target to host 30,000 Indian students by 2030. French universities offer a variety of programs, many in English, catering to students with different language preferences. According to University Living data, living expenses in Paris can reach up to 1,200 Euros (Rs 1.07 lakh) per month, while other regions in France offer more budget-friendly accommodation, ranging between 600 Euros (Rs 53,718) and 800 Euros (Rs 71,632) per month.

Germany's renowned engineering and technology programs come with low or no tuition fees, and living expenses average between 800 Euros and 1,000 Euros per month. Spain offers a vibrant academic setting with reasonable tuition fees and living expenses. Accommodation costs vary from 400 Euros to 700 Euros per month, with total monthly expenses ranging between 800 Euros and 1,200 Euros. In Malta, living costs are lower compared to other European countries, with accommodation ranging from 300 Euros to 600 Euros per month and total expenses from 700 Euros to 1,000 Euros per month.

Ireland, Italy, and Singapore

Ireland is witnessing a significant rise in Indian student enrollment due to its excellent education system and post-study opportunities. Accommodation costs in the country range between 500 Euros and 1,000 Euros per month, with overall living expenses between 1,200 Euros and 1,800 Euros per month. In Italy, private housing costs range from 600 Euros to 1,000 Euros, with total living expenses around 1,000 Euros to 1,500 Euros per month. Singapore, known for its strong business and finance programs, has witnessed a surge in the presence of Indian students. Accommodation costs in Singapore range from SGD 865 for quadruple sharing to SGD 1,400 for single rooms, with total monthly living expenses ranging from SGD 1,200 to 2,000.

Dubai and New Zealand: Emerging Educational Hubs

Dubai's rising status as an educational hub is evident in its growing Indian student population. The cost of accommodation in Dubai varies significantly, with total monthly living expenses ranging from AED 3,000 (Rs 68,214) to 6,000 (Rs 1,36,428). New Zealand's top-tier education and breathtaking natural beauty make it a favored destination for international students. Accommodation costs in New Zealand range from NZD 340 for shared rooms to NZD 400 and above for studios, with total living expenses typically falling between NZD 1,200 and 1,500 per month.

NTA to announce CUET UG result date soon

The National Testing Agency (NTA) will soon announce the Common University Entrance Test (CUET UG) results. Once announced, the candidates who appeared in the CUET UG 2024 exam will be able to download the results through the official website.

According to media reports, the results for CUET UG 2024 will be announced by July 10. However, there is no official confirmation on the release of the CUET UG 2024 result. Candidates are advised to keep checking on the official website for the latest updates. This year, CUET UG 2024 exam was conducted from May 15 to 29 at various exam centres for admission at the central universities including Delhi University and Jawaharlal Nehru University.

Earlier, the results were supposed to be declared on June 30 which got delayed. Once out, the candidates can download CUET UG provisional answer key and results from the official website, exams.nta.ac.in. Meanwhile, the NTA has not published the provisional answer keys or results of CUET UG 2024. When asked about the possible release date for CUET UG, the UGC cheif Mamidala Jagadesh Kumar said, 'NTA is working on it and will announce the result date soon.'

CUET UG 2024: How to download provisional answer keys and results?

Visit the official website, exams.nta.ac.in
Click on the respective link available on the homepage
It will redirect you to the login window
Login using your registration number, date of birth and other details
Check the document and save it for future reference

What is CUET UG?

The Common University Entrance Test, or [CUET (UG) - 2024] is a standardized test in India conducted by the National Testing Agency for admission to undergraduate programs in central universities and other institutes. The scores of the CUET UG 2024 are also accepted by a number of other State Universities and Deemed universities in India.

इंदौर- डीएवीवी में नए कोर्स की हो रही शुरुआत

इंदौर। समय के साथ रोजगार भी बदले हैं अब विद्यार्थियों की रुचि परंपरागत कोर्स के अतिरिक्त ऐसे कोर्स में बढ़ रही है, जो जल्द से जल्द रोजगार उपलब्ध कराए और कमाई भी अच्छी हो इसी का परिणाम है कि शहर में अब कई ऐसे कोर्स शुरू हो चुके हैं, जिनके लिए युवा अन्य शहरों की ओर रुख करते थे हाल ही में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में एमएससी योग भी शुरू हो गया है, जिसे खासा रुझान मिल रहा है। इस तरह के रुझान को देखते हुए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में कुछ नए कोर्स हुए हैं, जबकि कुछ शुरू होने वाले हैं दस साल के भीतर देश में इंटरनेट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। यहां तक कि इंटरनेट यूजर्स की संख्या में वृद्धि हुई है। ऐसे में कुछ गिरोह इंटरनेट का गलत फायदा उठाकर लोगों से धोखाधड़ी करने में लगे हैं।इंटरनेट का इस्तेमाल और जागरूकता बढ़ाने को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आईआईटी में साइबर सिक्योरिटी कोर्स शुरू किया है। एमएससी इन साइबर सिक्योरिटी कोर्स चलाया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों की अधिक रुचि है। ऐसे ही कई क्षेत्रों में विद्यार्थी अपना भविष्य बनाने में लगे हैं। इंटीरियर डिजाइनिंग और योग सहित कई कोर्स की तरफ विद्यार्थियों का रुझान बढ़ रहा है।

योग में 50 सीटें

सेहत के प्रति लोग जागरूक होने लगे हैं। सुबह उठते ही योग करते नजर आते हैं। अब विश्वविद्यालय ने योग को विज्ञान से जोड़ने की कोशिश की है। योग अध्ययनशाला में बीए, बीएससी, एमए और डिप्लोमा कोर्स चलाए जा रहे हैं। 2024-25 सत्र से एमएससी इन योग शुरू किया गया है। 50 सीटों वाले इस कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है विभागाध्यक्ष डॉ. एसएस शर्मा ने बताया कि योग को कला संकाय से जोड़कर देखा जाता है। मगर योग का विज्ञान से संबंध है। वह शरीर को स्वस्थ रखने में काफी लाभदायक है। शरीर के विभिन्न अंगों से जुड़ी बीमारियों को योग के माध्यम से दूर रखा जा सकता है। इस दृष्टि से योग को विज्ञान का हिस्सा माना है।

रोजगार के अवसर बढ़े

योग क्षेत्र में नौकरियों के अवसर बढ़ने लगे हैं। कॉलेजों में प्लेसमेंट होने लगे हैं। कोर्स पूरा करने के बाद कई क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है। स्कूल-कॉलेज व योग संस्थानों में योग प्रशिक्षक, स्वास्थ्य केंद्रों व अस्पतालों में योग विशेषज्ञ, कॉरपोरेट वेलनेस प्रोग्राम, योग केंद्र संचालन आदि क्षेत्र हैं।

मिलेगा एमवॉक में प्रवेश

इंटीरियर डिजाइनिंग में युवा अपना करियर बना रहे हैं। विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय केंद्र से एमवॉक इन इंटीरियर डिजाइनिंग में प्रवेश मिल सकता है। इन दिनों प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। पिछले पांच सालों में इंटीरियर डिजाइनिंग की मांग काफी बढ़ गई है। कई ऐसे क्षेत्र हैं जिसमें आने वाले समय में रोजगार की खांसी संभावनाएं हैं।

778 करोड़ की गारंटी और 52,000 करोड़ का बकाया...

जयप्रकाश एसोसिएट्स कंपनी में डूबने वाला है बैंकों का पैसा!

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवालिया हो चुकी इन्फ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स को कर्ज देने वाले बैंकों को तगड़ा झटका लग सकता है। कंपनी के प्रमोटर्स की कुल बैंक गारंटी 778 करोड़ रुपये की है जबकि बैंकों का उस पर 52,000 करोड़ रुपये का बकाया है। यानी कंपनी की कुल गारंटी बकाये के दो फीसदी से भी कम है। साफ है कि कंपनी के प्रमोटर्स द्वारा दी गई व्यक्तिगत गारंटी उनकी देनदारियों को पूरा करने के लिए नाकाफी है। इस कंपनी के पास दिल्ली, आगरा, नोएडा और मसूरी में होटल हैं। साथ ही उसका सीमेंट और रियल एस्टेट का भी बिजनस है। बैंक उम्मीद कर रहे हैं कि इन्हें बेचकर कुछ बकाया वसूल किया जा सकता है। आईसीआईसीआई बैंक ने 2018 में कंपनी के खिलाफ याचिका दायर की थी जिसे पिछले महीने की शुरुआत में बैंकरप्सी कोर्ट ने स्वीकार किया गया था।जेएएल के चेयरमैन और प्रमोटर मनोज गौड़ ने 778 करोड़ रुपये की कुल गारंटी दी है। बैंकरों के मुताबिक गौड़ और वाइस चेयरमैन सुनील कुमार शर्मा द्वारा दी गई करीब 800 करोड़ रुपये की गारंटी का कोई खास महत्व नहीं रह गया है। करीब सात साल पहले 2017 में आरबीआई ने कंपनी को दिवालिया घोषित करने की सिफारिश की थी। एक बैंकर ने कहा कि व्यक्तिगत गारंटी बैंकों के लिए केवल एक सुविधा है। यह प्रमोटरों द्वारा दर्शाई गई एसेट्स पर निर्भर करती है, जो इस मामले में कई साल पहले की है। हम इस पर निर्भर नहीं हैं। कंपनी के होटल, सीमेंट या रियल एस्टेट एसेट्स में से कुछ अब भी काम कर रही हैं। बैंकों की उम्मीद है कि इन्हें बेचकर कुछ बकाया वसूल किया जा सकता है।

किस बैंक का है सबसे ज्यादा बकाया: अंतरिम समाधान पेशेवर भुवन मदान के दाखिल दस्तावेजों से पता चलता है कि जेएएल पर एसबीआई का सबसे ज्यादा 15,000 करोड़ रुपये का बकाया है। आईसीआईसीआई बैंक 9,204 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है। कंपनी के जिन एसेट्स पर बैंकों का पहला चार्ज है उनमें आगरा, नोएडा, दिल्ली और मसूरी में होटल, चुर्कट, रेवत, साधवा खुर्द और चुनार में पांच सीमेंट प्लांट तथा नोएडा के करीब यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया में जमीन शामिल है। एक दूसरे बैंकर ने कहा कि प्रमोटर्स द्वारा दी गई गारंटी एक प्रकार का बीमा है, क्योंकि व्यक्तिगत इनसॉल्वेंसी लागू करने के सिविल के साथ-साथ सामाजिक प्रभाव भी होते हैं।

अडानी को लगी 150 अरब डॉलर की चपत, हिंडनबर्ग रिसर्च को सेबी ने भेजा नोटिस

अमेरिका कंपनी ने इसके जवाब में लिखा ब्लॉग पोस्ट

सेबी पर लगाया धोखाधड़ी करने वालों का साथ देने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने पिछले साल जनवरी में अडानी ग्रुप के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की थी। इस पर काफी हंगामा हुआ था और अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। एक समय ग्रुप का मार्केट कैप 150 अरब डॉलर तक गिर गया था। हालांकि उसके बाद ग्रुप के शेयरों ने काफी हद तक इस नुकसान की भरपाई कर ली है। अब सवाल उठता है कि हिंडनबर्ग रिसर्च को इससे कितनी कमाई हुई है। कंपनी ने खुद इसका खुलासा किया है। कंपनी का कहना है कि

अडानी सिक्योरिटीज की शॉर्टिंग से अपने क्लाइंट के जरिए 4.1 मिलियन डॉलर का रेवेन्यू मिला। लेकिन यह रकम रिसर्च में लगी उसकी राशि के बराबर भी नहीं है। हिंडनबर्ग ने मार्केट रेगुलेटर सेबी के कारण बताओ नोटिस के जवाब में एक ब्लॉग पोस्ट में यह बात कही। कंपनी ने कहा कि हमने इनवेस्टर रिलेशनशिप के जरिए अडानी शॉर्ट्स से 4.1 मिलियन डॉलर का रेवेन्यू अर्जित किया है। साथ ही कंपनी ने अडानी के अमेरिकी बांड को शॉर्ट करके भी 31,000 डॉलर कमाए। कंपनी का कहना है कि यह बहुत छोटी पोजीशन थी। लीगल और रिसर्च खर्चों को छोड़कर हम अडानी शॉर्ट पर भी ब्रेक-ईवन से आगे निकल सकते हैं। कंपनी ने इस रिपोर्ट का खंडन किया कि उसके पास 12-16 निवेशक साझेदार हैं जिन्होंने लाखों डॉलर कमाए हैं। हिंडनबर्ग ने कहा कि कारण बताओ नोटिस में बढ़ाचढ़ाकर बातें की गई है। अडानी थीसिस में केवल एक इनवेस्टर रिलेशनशिप थी।

अडानी-हिंडनबर्ग रिसर्च मामले में आया कोटक बैंक का नाम

अडानी-हिंडनबर्ग मामले में कोटक बैंक का नाम आया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की शॉर्ट-सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने सोमवार को कहा कि मार्केट रेगुलेटर सेबी ने उसे एक पत्र भेजा है। इसमें कहा गया है कि उसने पिछले साल अडानी ग्रुप के खिलाफ शॉर्ट बेट में नियमों का उल्लंघन किया था। हिंडनबर्ग ने यह भी कहा कि कोटक बैंक ने एक ऑफशोर फंड स्ट्रक्चर बनाया। इस स्ट्रक्चर का इस्तेमाल हिंडनबर्ग के इनवेस्टर पार्टनर ने अडानी ग्रुप के खिलाफ बेट लगाने के लिए किया। शॉर्ट-सेलर ने कहा कि उसने इनवेस्टर रिलेशनशिप के जरिए 41 लाख डॉलर का रेवेन्यू कमाया और अडानी के अमेरिकी बॉन्ड पर अपनी शॉर्ट पोजीशन से केवल 31,000 कमाए। कंपनी ने इनवेस्टर का नाम नहीं बताया। हिंडनबर्ग ने कहा कि सेबी का कारण बताओ नोटिस कंपनी को धमकाने का प्रयास है। सेबी का कहना है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में तथ्यों को गलत ढंग से पेश किया गया और इसका मकसद लोगों को गुमराह करना था। हिंडनबर्ग ने कहा, हमें लगता है कि सेबी ने अपनी जिम्मेदारी को नजरअंदाज किया है। ऐसा लगता है वह प्रभावित निवेशकों के हितों को बचाने के बजाय धोखाधड़ी करने वालों को बचाने में लगा है। सेबी, अडानी एंटरप्राइजेज और कोटक ने इस मामले में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। भारत में कड़े नियमों के कारण विदेशियों के स्थानीय कंपनियों के खिलाफ बेट लगाना मुश्किल है। लेकिन हिंडनबर्ग के खुलासे से उसका काम करने के तरीका भी उजागर हुआ है।

एक ऐसा अनोखा गांव जहां हर किसी को बुलाने के लिए बनी है अलग धुन

अगर आपको कोई व्यक्ति नाम से नहीं बल्कि सीटी बजाकर या फिर किसी अन्य धुन की मदद से पुकारे तो फिर आपको कैसा लगेगा? शायद सुनने में आपको थोड़ा अजीब लगे। लेकिन अगर आपसे यह बोला जाए कि भारत के एक गांव में किसी भी व्यक्ति को नाम से नहीं बल्कि सीटी या विशेष धुन बजाकर पुकारा जाता है तो फिर आपका जवाब क्या होगा। जी हां, नॉर्थ-इंडिया में एक ऐसा अनोखा गांव है जहां लगभग हर कोई किसी अन्य व्यक्ति को बुलाने के लिए सीटी या धुन का उपयोग करता है। यह गांव इस विशेषता के लिए सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि भारत के बाहर भी फेमस है। आइए इस गांव के बारे में जानते हैं।

क्या है व्हिसलिंग विलेज का नाम?

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जिस व्हिसलिंग विलेज के बारे में हम जिक्र कर रहे हैं उस अनोखे गांव का नाम कोंगथोंग है। कहा जाता है कि यह अनोखा गांव विश्व भर का एक अनोखा गांव है जहां के लोग दूसरे को नाम से नहीं बल्कि सीटी बजाकर बुलाते हैं। इस अजीबो-गरीब परंपरा के चलते इस गांव का नाम भी व्हिसलिंग विलेज रख दिया गया है, आज इसी नाम से यह गांव प्रचलित भी है।

हर व्यक्ति के लिए अलग धुन

आप यह ज़रूर सोचा रहे होंगे कि अगर किसी व्यक्ति को बुलाना हो और सीटी की आवाज एक जैसा हो तो फिर क्या होगा? आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस गांव के लोग सीटी मारकर किसी को बुलाने के लिए प्रैक्टिस करते रहते हैं। कहा जाता है कि इस अनोखे गांव में लगभग 200 परिवार रहता है और लगभग 100 से अधिक धुन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, कई लोग बोलते हैं कि धुन की संख्या अधिक है।

क्या सच में संस्कृति का हिस्सा है?

कहा जाता है कि कोंगथोंग में सीटी बजाना कोई फैशन नहीं बल्कि यह स्थानीय संस्कृति का हिस्सा है। कहा जाता है कि आवाज की वजह से पशु या पक्षी डर न जाए इसलिए भी पक्षियों की आवाज में यहां के लोग धुन या सीटी बजाकर एक-दूसरे को बुलाते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें सीटी बजाने की धुन में पशु और पक्षियों की आवाज भी शामिल है। भारत का यह अनोखा गांव शिलांग से लगभग 55 किलोमीटर की दूरी पर है। ऐसे में आप शिलांग से लोकल बस या टैक्सी को लेकर जा सकते हैं। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से भी आप यहां जा सकते हैं। यह गांव मेघालय में है।

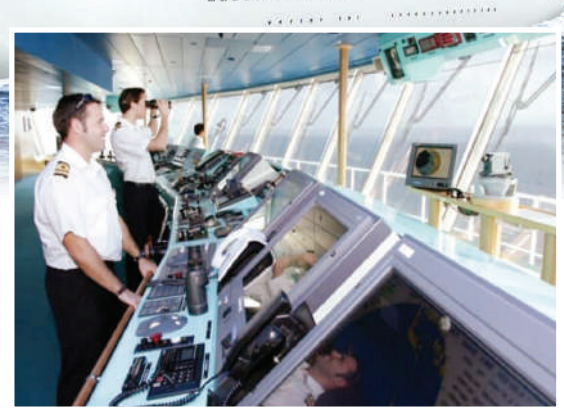

समुद्री जहाज कैसे पता करते हैं अपना रास्ता

जहाज नेविगेशन के लिए कई टूल और टेक्निक का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं कुछ पारंपरिक तरीके जिनका उपयोग जहाज अपना रास्ता ढूंढने के लिए करते थे।

जहाज नेविगेशन के लिए कई टूल और टेक्निक का इस्तेमाल करते हैं, जो नाविकों को सुरक्षित और सटीक मार्गदर्शन में मदद करते हैं। आज के आधुनिक दौर में, जहाजों के लिए अपना रास्ता ढूंढना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) जैसी तकनीकों के आगमन के साथ, जहाज पृथ्वी की सतह पर अपनी सटीक स्थिति निर्धारित कर सकते हैं और निर्धारित मार्गों का पालन कर सकते हैं। लेकिन जीपीएस से पहले, जहाज कई सदियों से समुद्रों को पार करते रहे हैं, और यह केवल नाविकों के कौशल और ज्ञान के माध्यम से ही संभव था। तो आइए जानते हैं कुछ पारंपरिक तरीके जिनका उपयोग जहाज अपना रास्ता ढूंढने के लिए करते थे।

रडार

यह जहाजों, हिमखंडों और तटीय बाधाओं जैसे लक्ष्यों का पता लगाने के लिए रेडियो तरंगों का इस्तेमाल करता है। रडार स्क्रीन पर जहाज के आसपास के क्षेत्र का तस्वीर प्रदर्शित करता है, जिससे नाविकों को टकराव से बचने और अपने मार्ग का मार्गदर्शन करने में मदद मिलती है।

सोनार

यह पानी की गहराई को मापने के लिए ध्वनि तरंगों का इस्तेमाल करता है। सोनार तल से परावर्तित ध्वनि तरंगों के गूंज का एनालिसिस करके काम करता है। यह नाविकों को अनदेखी खतरों, जैसे कि चट्टानें और मलबे से बचने में मदद करता है।

दिशा सूचक यंत्र

यह पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके दिशा निर्धारित करने के लिए एक चुंबकीय सूचक का उपयोग करता है। दिशा सूचक यंत्र सदियों से नेविगेशन के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है और यह आज भी एक महत्वपूर्ण उपकरण है, खासकर जब अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विफल हो जाते हैं।

चुंबकीय परकार

यह पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सच्चे उत्तर (ज्योतिषीय उत्तर) के बीच अंतर को मापता है। चुम्बकीय भिन्नता को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है, ताकि दिशा सूचक यंत्र से प्राप्त रीडिंग को सही ढंग से व्याख्या किया जा सके।

एआरपीए

यह एक टक्कर-रोधी रडार प्रोसेस है, जो नाविकों को आसपास के जहाजों की स्पीड और प्रोग्राम को ट्रैक करने में मदद करती है। एआरपीए टकराव के खतरे की चेतावनी दे सकता है और नाविकों को टकराव से बचने के लिए पैंतरेबाजी करने में मदद कर सकता है।

जीपीएस

यह उपग्रहों से संकेतों का इस्तेमाल करके जहाज की स्थिति और समय को अत्यधिक सटीकता के साथ निर्धारित करता है। जीपीएस ने नेविगेशन में क्रांति ला दी है और यह अब जहाजों के लिए एक अनिवार्य उपकरण है।

गति और दूरी लॉग डिवाइस

यह जहाज की गति और किसी निश्चित स्थान से उसकी दूरी को मापता है। यह जानकारी नाविकों को अपनी प्रगति को ट्रैक करने और अनुमानित आगमन का समय निर्धारित करने में मदद करती है।

ऑटोपायलट

यह एक ऑटोमेटिक प्रोसेस है, जो मानव हस्तक्षेप के बिना जहाज को एक पूर्व निर्धारित प्रोग्राम पर रख सकती है। ऑटोपायलट का इस्तेमाल लंबी यात्राओं पर नाविकों के काम का बोझ कम करने और ईंधन बचाने में मदद करने के लिए किया जा सकता है।

दिक्सूचक

यह एक तेजी से घूमने वाला उपकरण है, जो पृथ्वी के अक्ष के घूर्णन और कोणीय गति के संरक्षण के सिद्धांत का इस्तेमाल करके सही उत्तर की ओर इशारा करता है। दिक्सूचक का उपयोग जहाजों के झुकाव और रोल को मापने के लिए भी किया जा सकता है।

पानी पर तैरता जहाज आखिर क्यों नहीं डूबता?

आपने कई बार पानी वाले जहाज में सफर किया होगा, मगर क्या आपको पता है कि यह बहते पानी में चलता कैसे है और यह डूबता क्यों नहीं है? अगर नहीं तो आइए जानते हैं।

पानी में रास्ता कैसे ढूंढा जाता है? कैसे पता चलता है कि कहां जाना है? जहाज में कौन-सा तेल डाला जाता है? हालांकि,जब हम जहाज में बैठते हैं तो हमारे सवालों के जवाब खुद ही मिल जाते हैं। ऐसे में अगर कुछ पता नहीं चल पाता वो है कि जब एक जहाज पानी में डूबता कैसे नहीं है।

आखिर क्यों नहीं डूबता जहाज?

कोई भी नाव या जहाज पानी में नहीं डूबते, जबकि नॉर्मल लौहे की वस्तु पानी में अगर फेंक दी जाए तो वह डूब जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये आर्कीमिडीज के सिद्धांत को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं और इसी आधार पर काम करते हैं। जब हम पानी में लोहे की कोई वस्तु डालते हैं, तो वो अपने भार के बराबर जल को हटाती हुई नीचे जाती है। जबकि जहाज के अंदर जो हवा होती है, वह पानी की तुलना में बहुत कम घनी होती है। यही चीज इसे पानी में डूबने नहीं देती।

क्या है आर्कीमिडीज सिद्धांत?

आसान शब्दों में समझने की कोशिश की जाए, तो आर्किमिडीज का सिद्धांत कहता है कि पानी में डूबी किसी वस्तु पर ऊपर की ओर लगने वाला कुल बल वस्तु द्वारा हटाए गए पानी के भार के बराबर होता है। यानी तैरते हुए पिंड का वजन उसके डूबे हुए भाग द्वारा विस्थापित तरल के वजन के बराबर होता है। इसलिए, एक जहाज पानी में तैरने में सक्षम होता है क्योंकि उसका वजन उसके द्वारा हटाए गए पानी के वजन के बराबर होता है।

पानी वाला जहाज समुद्र में कैसे चलता है?

हर जहाज को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि इसका इंजन, प्रणोदित्रों, पैडल व्हील, मशीनों और प्रोपेलर पानी के दवाब को ऊपर करके गति प्रदान करता है, जिससे जहाज को हवा मिलती है और यह आगे बढ़ता है। हालांकि, किसी भी जहाज में प्रोपेलरों की संख्या इसके आकार पर निर्भर करती है, पर ज्यादातर जहाज में प्रोपेलर चार होते हैं।

रात में एक करोड़ तरह की रंगीन लाइट से रोशन होती है ये जगह

जापान की रोक्को पर्वत श्रृंखला में माउंट रोक्को सबसे उंची चोटी है। जापानी शहर कोबे से यह बहुत नज़दीक है। यहां बनी यह आब्जर्वेटरी यानि वेधशाला विश्वविख्यात है। इस चोटी पर मौसम बदलता रहता है। कभी भीषण गर्मी तो कभी भंयकर सर्दी होती है। चारों और जालीनुमा पत्तियों वाले पेड़ हैं। प्रसिद्ध आर्किटेक्चर हिरोशी सानबुची ने इन्ही पत्तियों की तरह इसका उपरी हिस्सा हल्की लकड़ी और स्टील से डिज़ाइन किया है। इस आब्जर्वेटरी में सर्दियों में मौसम गर्म, तो गर्मियों में मौसम ठंडा रहता है। रात में एलईडी से एक करोड़ तरह की रंगीन लाइट निकलती है।

न्यूयॉर्क के इस हाल में है पूरा अंतरिक्ष

अंतरिक्ष की तरह दिखने वाली ये जगह न्यूयॉर्क का डिजिटल आर्ट सेंटर है। यह बैंक की एक इमारत में बनकर तैयार हुआ है। हॉल दे लुमिएर्स के नाम से प्रसिद्ध इस सेंटर की दीवारों और फ्लोरिंग को ऑस्ट्रियाई कलाकार गुस्ताव क्लिम्ट ने अपने हुनर से एक नया रूप दिया है। पेरिस के एटेलिए दे लुमिएर्स और दुबई के इन्फिनिटी ऐ लुमियर्स की तरह ही इस सेंटर में अंतरिक्ष जैसा नजारा युवाओं को रोमांचक अनुभव कराएगा। 33 हजार वर्गफीट में फैले इस सेंटर को फ्रांस की कल्चर स्पेस कंपनी ने खूबसूरत ढंग से बनकर तैयार किया है। इसके अलावा इस पूरे सेंटर में घूमने के लिए आपको टिकट लेना होता है। इसके अलावा आप अलग-अलग कलाकृतियों का आनंद उठाते हुए 1 घंटे के अंदर पूरा सेंटर घूम सकते हैं, जैसे-जैसे आप इस सेंटर में आगे की ओर बढ़ते हैं, उसी तरह आप अलग-अलग नजारों का आनंद उठा पाते हैं।

अतंरिक्ष थीम पर बनकर तैयार बबल हाउस बना आर्कषण का केन्द्र

ये नज़ारा किसी अतंरिक्ष प्रयोगशाला का नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया के कराली शहर में बना बबल हाउस का है। एनिमेटेड सीरिज से प्रभावित ये इमारत तीन मंज़िला है। इस मकान को बनाने के लिए ग्यारह विशाल डोम को एक साथ जोड़ा गया है। इसमें बीस कमरे, चार बाथरूम, तीन बेडरूम, और चार कार गैरेज है। आर्किटेक्ट ग्राहम बिरचाल ने इसकी डिज़ाइनिंग की है। हालाकि इस नायाब और खूबसूरत मकान को तैयार करने में उन्होंने नासा की भी मदद ली है। नदी किनारे बनाई गई इस प्रापर्टी की कीमत 8.22 करोड़ रूपये है।

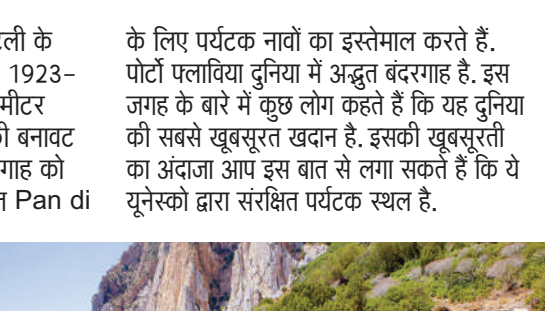

बंदरगाह पोर्टो फ्लाविया है उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का बेहतरीन नमूना

पोर्टो फ्लाविया एक समुद्री बंदरगाह है जो इटली के इग्लेसियस कम्यून में नेबिडा के पास मौजूद है। सन् 1923-24 में बनाया गया यह बंदरगाह सार्डिनियन इग्लेसिएंट क्षेत्र के पश्चिमी तट में मसुआ के खनिज उत्पादन केंद्र के रूप में कार्य करता था। इसका नाम बंदरगाह के इंजीनियर और डिजाइनर सेसारे वेसेली की बेटी फ्लाविया वेसेली के नाम पर रखा गया है। बंदरगाह की विशेषताएं इसे दुनिया में अद्वितीय बनाती हैं। इसके निर्माण के वक्त यह एक उत्कृष्ट इंजीनियरिंग उपलब्धि मानी जाती थी।

दुनिया में इंजीनिरिंग के ऐसे कई उदाहरण आपको देखने को मिल जाएंगे, जिन्हें देखकर आप चौंक जाएंगे. हाल के दिनों में इंजीनियरिंग का ऐसा ही चमत्कार कहा जाने वाला बंदरगाह लोगों के बीच चर्चा में है. इसे देखने के बाद यकीनन आज के वैज्ञानिक भी चौंक जाएंगे. बंदरगाह की बनावट देख दंग रह जाते हैं लोग, इंजीनियरिंग का चमत्कार है ये जगह

आज के समय में भले ही विज्ञान की मदद से हम नामुमकिन से लगने वाले काम को मुमकिन कर सकते हैं. अगर आपको ऐसा लगता है कि विज्ञान ने हाल-फिलहाल में इतनी तरक्की की है तो आप गलत है. दुनिया में इंजीनिरिंग के ऐसे कई उदाहरण आपको देखने को मिल जाएंगे, जिन्हें देखकर आप चौंक जाएंगे. हाल के दिनों में इंजीनियरिंग का ऐसा ही चमत्कार कहा जाने वाला बंदरगाह लोगों के बीच चर्चा में है. जिसे देखने के बाद यकीनन आज के वैज्ञानिक भी चौंक जाएंगे क्योंकि ये पूरी तरीके से समुद्र और आकाश के बीच लटका हुआ है.

यहां बात हो रही है पोर्टो फ्लाविया इटली के सार्डिनिया के बारे में, जिसका निर्माण 1923-24 में हुआ था. ये पोर्ट समुद्र से 50 मीटर ऊपर एक चट्टान पर स्थित है. जिसकी बनावट देख लोग हैरान रह जाते हैं. इस बंदरगाह को लेकर कहा गया है कि ये भव्य इमारत Pan di Zucchero पहाड़ पर स्थित है. जिसके भीतर 600 मीटर लंबी दो सुरंगें भी हैं. इसका इस्तेमाल मसुआ खदानों में से जस्ता और सीसा अयस्कों को मालवाहक जहाजों में लोड करने के लिए किया जाता था. बता दें कि ये बंदरगाह 1960 के दशक तक चालू था. हालांकि समय के साथ ये अब पूरी तरीके से बंद हो चुका है और अब ये एक टूरिस्ट प्लेस बन चुका है. जिसे देखने हर साल लाखों लोग आते हैं. वे इसकी अद्भुत बनावट को देखकर दंग रह जाते हैं. अब इससे जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है. वीडियो में आप देख सकते हैं कि चारों ओर दूर-दूर तक फैला नीला और फिरोजा रंग का पानी मौजूद है. जो किसी के भी मन को आसानी से मोह सकता है. यहां तक पहुंचने के लिए पर्यटक नावों का इस्तेमाल करते हैं. पोर्टो फ्लाविया दुनिया में अद्भुत बंदरगाह है. इस जगह के बारे में कुछ लोग कहते हैं कि यह दुनिया की सबसे खूबसूरत खदान है. इसकी खूबसूरती का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि ये यूनेस्को द्वारा संरक्षित पर्यटक स्थल है.

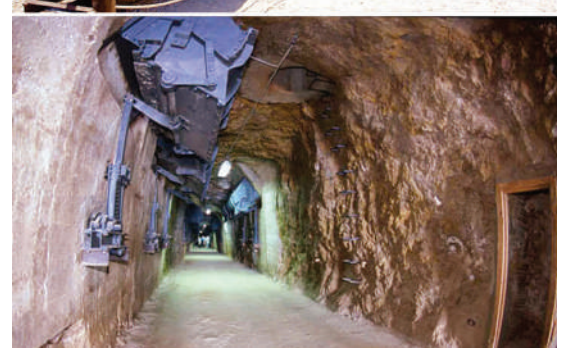

पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले नीरज चोपड़ा ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पोरिस ओलंपिक से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। हाल में पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और पेरिस खेलों में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद नीरज रविवार को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहजता के कारण इन खेलों से बाहर रहने का निर्णय लिया है। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पिछले महीने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी। नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे थे। नीरज इस टूर्नामेंट में पहले पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की थी और अंत तक अपनी बढ़त को कायम रखने में सफल रहे थे।

पैर को मजबूत बनाने पर देंगे ध्यान

नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है। हम इस पर काम कर रहे हैं।

मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था, लेकिन मुझे लगा कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है। थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रुक जाना ही ठीक है। नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते। उन्होंने कहा, ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था। अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं। फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा।

विराट कोहली ने दिया पीएम मोदी को धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोहली की तारीफ की थी, जिसके बाद विराट ने प्रतिक्रिया के तौर पर उनका शुक्रिया अदा किया है। विराट कोहली ने हाल ही में टी20 विश्व कप फाइनल जीतने के बाद इस प्रारूप से अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा था- प्रिय विराट कोहली, आपसे बात करके अच्छा लगा। आपने फाइनल मैच में अपनी पारी की तरह भारतीय बल्लेबाजी को भी शानदार ढंग से एंकर किया है। ऐसा आपने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में किया है।

टी20 क्रिकेट आपको मिस करेगा, लेकिन मुझे भरोसा है कि आप खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को प्रेरणा देते रहेंगे। इसकी प्रतिक्रिया में विराट कोहली ने पीएम का धन्यवाद करते हुए लिखा कि प्रिय नरेंद्र मोदी सर, आपके शब्दों व सपोर्ट के लिए आपका बहुत धन्यवाद और आपने हमेशा उत्साह बढ़ाया है।

इस टीम का हिस्सा होना गौरव की बात रही है जिसने विश्व कप ट्रॉफी को घर लाने का काम किया है। इस वजह से देश को जो खुशी मिली है, उसके चलते हम बहुत प्रभावित और अभिभूत हैं। टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने ओपनिंग में आकर 59 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली थी। भारत ने इस पारी के दम पर 176 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 169 रन ही बना सकी थी। विराट कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी टी20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा कर चुके हैं।

पहलवान बजरंग पूनिया ने नाडा पर किया पलटवार

रेसलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष पहलवान बजरंग पूनिया ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) पर कड़ा पलटवार करते हुए बड़ा आरोप लगाया है। नाडा ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए नमूने नहीं देने पर 23 अप्रैल को बजरंग को निलंबित कर दिया था। डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) से हालांकि बजरंग को राहत मिल गई थी, लेकिन नाडा ने 24 जून को बजरंग को दूसरी बार निलंबित कर दिया था। अब टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान ने आरोप लगाया कि खामियों को उजागर करने के कारण नाडा उनके करियर को खत्म करना चाहता है। एडीडीपी ने पहला निलंबन इस आधार पर हटा दिया था कि नाडा ने पहलवान को औपचारिक नोटिस देकर आधिकारिक तौर पर उस पर डोपिंग का आरोप नहीं लगाया था। इसके बाद नाडा ने उन्हें नोटिस जारी किया और उन्हें फिर से निलंबित कर दिया। विश्व चैंपियनशिप में कई बार पदक जीतने वाले इस 30 साल के खिलाड़ी ने दावा किया कि उन्होंने कभी नमूना देने से इनकार नहीं किया, बल्कि केवल इस बात का जवाब मांगा था कि नाडा ने दिसंबर 2023 में नमूना संग्रह के लिए एक एक्सपायर हो चुकी किट क्यों भेजी थी।

नाडा मुझे निशाना बना रहा

बजरंग ने एक्स पर लिखा, यह दर्शाता है कि नाडा मुझे कैसे निशाना बना रहा है, वे नहीं चाहते कि मैं किसी भी कीमत पर कुश्ती जारी रखूं। उनके पास कोई जवाब नहीं है और वे अपनी गलतियों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, वे सिर्फ अपने छुटकारे के लिए एथलीट को परेशान करना चाहते हैं। नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाया जाता है ताकि वह अपना खेल जारी न रख सके। नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता? नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच नमूना लेने के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगले मुकाबले की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे।

यह नाडा द्वारा एक ही मामले में पहले निलंबन को निरस्त करने के बाद लगातार 2 महीनों में दूसरे निलंबन से संबंधित है। नाडा ने उन्हें दिए गए सभी तथ्यों को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज कर दिया और मुझे फिर से निलंबित कर दिया। बजरंग ने कहा कि इस मामले में वह हार नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा, अगर नाडा अपने अहंकार के लिए पहलवानों के धैर्य और अपने अधिकारों के लिए खड़े होने के दृढ़ संकल्प को चुनौती देना चाहता है, तो उसे ऐसा करने दो। पहलवान यही है और अंत तक लड़ेगा। मेरे वकील समय पर अपना जवाब दाखिल करेंगे। बजरंग को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिए 11 जुलाई तक का समय दिया गया है।

चेस

भारत में नहीं, इस देश में होगा विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से सामना अपने घर में नहीं हो सकेगा। सिंगापुर ने इसकी मेजबानी के अधिकार जीत लिए हैं जिससे भारत की इसका आयोजन करने की उम्मीदों को झटका लगा है।

फिडे ने सोमवार को विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी सिंगापुर को सौंपने की घोषणा की। इसके मायने हैं कि गुकेश दिल्ली या चेन्नई में यह मुकाबला नहीं खेल सकेंगे चूंकि भारत के ये दोनों शहर सिंगापुर से पिछड़ गए। तमिलनाडु सरकार और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे को मेजबानी के लिए अलग-अलग बोली सौंपी थी।

यह मुकाबला 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच होगा। फिडे ने कहा, सिंगापुर सरकार से समर्थन के साथ सिंगापुर शतरंज महासंघ ने फिडे विश्व चैंपियनशिप मैच 2024 की मेजबानी हासिल की है। सभी दावेदारों की समीक्षा, आयोजन स्थलों, सुविधाओं, कार्यक्रम और मौकों की समीक्षा के बाद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने सिंगापुर को चुना है।

फिडे अध्यक्ष अकार्डी ड्वोरकोविच ने कहा, हमें खुशी है कि फिडे के इतिहास में पहली बार, विश्व चैंपियनशिप का मैच सिंगापुर में होगा। सिंगापुर न केवल सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक पर्यटन और व्यापार केंद्रों में से एक है, बल्कि यह एक संपन्न शतरंज केंद्र भी है जहां कई प्रतिभाएं हैं। मैं दिल्ली और चेन्नई को भी धन्यवाद देना चाहूंगा जो मेजबानी हासिल करने की दौड़ में थे और इन्होंने बोली लगाई थी।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर किया था क्वालिफाई

भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में अप्रैल में खेले गए कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया था। इसके साथ ही वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने थे।

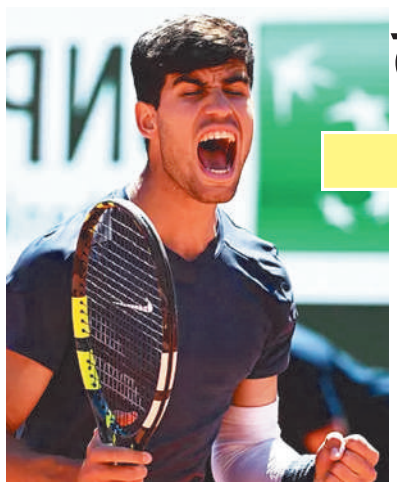

कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ की शुरुआत

विंबलडन

लंदन, एजेंसी। स्पेन के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन की शानदार शुरुआत की। अल्काराज ने पहले दौर में क्वालिफायर मार्क लाजल को सीधे सेटों में 7-6 (3), 7-5, 6-2 से हराया और अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहे। विश्व रैंकिंग में 269 वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी लाजल ने हालांकि शुरुआती दो सेट में स्पेन के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी। तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्काराज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था।

मेदवेदेव और रूड भी आगे बढ़े

पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मैचों में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव ने अलेक्जेंडर कोवासिक को 6-3, 6-4, 6-2 से और आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने एलेक्स बोल्ट को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। गैर वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 19वें नंबर के खिलाड़ी निकोलस जैरी को 6-1, 7-5, 6-4 से हराया।

सक्कारी की आसान जीत

मारिया सक्कारी ने महिला सिंगल्स के अपने शुरुआती मुकाबले में मेकार्टनी केसलर 6-3, 6-1 से आसानी से शिकस्त दी। पिछले महीने फ्रेंच ओपन की उपविजेता रहीं सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी अपने चौथे प्रयास में पहली बार विंबलडन के पहले दौर की बाधा को पार करने में सफल रहीं।

माइकल जैक्सन की मृत्यु के समय उन पर

500 मिलियन डॉलर का कर्ज था !

पॉप के बादशाह को गुज़रे 15 साल हो चुके हैं और फिर भी गायक फिर से सुर्खियों में हैं, लेकिन गलत कारणों से। लॉस एंजिल्स टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, लॉस एंजिल्स में 50 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से मरने वाले इस दिग्गज गायक पर 500 मिलियन डॉलर से ज़्यादा का कर्ज था। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी संपत्ति के निष्पादकों द्वारा अदालत में दायर की गई फाइलिंग में गायक की मृत्यु के समय उनके द्वारा सामना किए जा रहे वित्तीय संकट के बारे में अब तक की सबसे विस्तृत जानकारी दी गई है। सार्वजनिक लेखाकार की गवाही के अनुसार, लॉस एंजिल्स टाइम्स ने बताया कि माइकल जैक्सन ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर बहुत खर्च किया, साथ ही यात्रा की और दान के लिए पैसे दान किए।

माइकल जैक्सन महान संगीत कलाकारों में से एक हैं और लोग आज भी उनके गानों पर थिरकते हैं। आखिरकार किंग ऑफ पॉप के नाम से मशहूर माइकल जैक्सन ने कई दशकों तक अपने प्रशंसकों और अन्य कलाकारों को प्रभावित किया है। कलाकार के जीवन में भी उतार-चढ़ाव

आए हैं। माइकल जैक्सन पर बच्चों के साथ यौन शोषण का आरोप लगाया गया था। सबूतों की कमी और पुलिस द्वारा कभी भी कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाए जाने के बावजूद, माइकल जैक्सन ने इस मामले को अदालत के बाहर सुलझा लिया और जांच बंद कर दी गई। किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन की बायोपिक पर काम चल रहा है और निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज को हरी झंडी दे दी है। एंटोनी फूक्वा द्वारा निर्देशित और माइकल नामक आगामी बायोपिक 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में दिवंगत स्टार के भतीजे जाफर जैक्सन नजर आएंगे, जो हॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म भी होगी।

प्रोडक्शन हाउस लायंसगेट इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर रिलीज़ करेगा और इसका निर्माण इस साल 22 जनवरी को शुरू हुआ था। यह बायोपिक माइकल जैक्सन के जीवन और उनके संगीत प्रतिभा पर एक नज़र डालेगी। माइकल का निर्माण ग्राहम किंग द्वारा किया जाएगा और इसे जॉन लोगन द्वारा लिखा जाएगा।

डस्की स्किन वालों को जल्दी नहीं मिलता काम: सानविका

पंचायत की रिंकी यानी सानविका। सीजन-3 में इन्होंने अपनी मासूमियत और सादगी से ऑडियंस को काफी प्रभावित किया है। मध्य प्रदेश की जबलपुर की रहने वाली सानविका का मुंबई का सफर आसान नहीं रहा। शुरुआती दौर में उन्होंने कॉस्ट्यूम डिपार्टमेंट में भी काम किया है। सानविका ने कहा कि एक आउटसाइडर के लिए फिल्म इंडस्ट्री में पैर जमाना आसान नहीं है। एक-डेढ़ साल तो सिर्फ कॉन्टैक्ट बनाने में लग जाते हैं। पंचायत रिलीज होने के बाद सानविका को सोशल मीडिया पर क्रश तक कहा जाने लगा है। हालांकि वे अपने आप को इतनी खूबसूरत नहीं मानतीं। सानविका ने कहा कि आज भी इंडस्ट्री में डस्की स्किन वालों को आसानी से काम नहीं मिलता।

विजय देवरकोंडा की वीडी 12 का विजाग शेड्यूल खत्म

द फैमिली स्टार के फ्लॉप होने के बाद अब अभिनेता विजय देवरकोंडा को अपनी आने वाली फिल्मों से सफलता की उम्मीद हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में वीडी 12 और वीडी 14 शामिल हैं।

विजय के साथ-साथ उनके प्रशंसक भी उनकी अगली हिट फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच, अब वीडी 12 की शूटिंग को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इन दिनों वीडी 12 पर बड़ी तेजी से काम किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, विजाग में फिल्म के एक महीने लंबे शेड्यूल का काम खत्म कर लिया गया है और अब अगले शेड्यूल की तैयारी शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीडी 12 के अगले शेड्यूल को श्रीलंका में शूट किया जाएगा। कहा जा रहा है कि श्रीलंका में भी लगभग एक महीने तक वीडी 12 की शूटिंग चलेगी। इस दौरान श्रीलंका के अलग-अलग शहरों में फिल्म को शूट किया जाएगा।

एक जानकारी यह भी सामने आ रही है कि इस शेड्यूल में कुछ एक्शन सीन को भी फिल्माया जाएगा। वीडी 12 का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म में विजय देवरकोंडा का एकदम अलग ही अंदाज देखने को मिलेगा। चर्चा है कि वीडी 12 को इस साल के अंत तक रिलीज कर दिया जाएगा। फिल्म का निर्माण सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यूर फोर सिनेमाज द्वारा किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अस्थियां बहाकर लौट रहे परिवार के 4 लोगों की दर्दनाक मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे का शिकार हुआ यह परिवार अपने एक परिजन की अस्थियां विसर्जित कर वापस लौट रहा था। जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर को कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर फर्रुखनगर के पास तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कैंटर से टकरा गई। इससे कार का संतुलन बिगड़ गया और वह कई बार पलटती चली गई। कार में सवार तीन महिलाएं और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो घायलों को गंभीर हालत में गुरुग्राम सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी गंभीर हालत को देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया। मूलरूप से राजस्थान के सीकर निवासी परिवार में एक सदस्य की मौत हो गई थी। परिवार के लोग दो गाड़ियों में सवार होकर गढ़ गंगा में उनकी अस्थियां विसर्जित करने गए थे। दो कारों में सवार परिवार के लोग अस्थियां प्रवाहित करने के बाद सोमवार को वापस आ रहे थे। अर्टिगा कार केएमपी पर फर्रुखनगर के पास पहुंची, तभी कार चालक ने सामने चल रहे कैंटर को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इस दौरान कार कैंटर से टकरा गई। इसके बाद कार पलटती चली गई और उसके परखच्चे उड़ गए। आसपास के लोगों ने कार में सवार लोगों को बाहर निकाला और पुलिस को हादसे की सूचना दी। इनमें 52 वर्षीय ब्रजेश कौशिक और उनकी पत्नी 48 वर्षीया सुनीता, मां कमला देवी और राकेश की पत्नी 46 वर्षीया किरण कौशिक की मौत हो गई। राकेश के बेटे हिमांशु और आकांशु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनको इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है।

कुछ दिन बंद रहेगा दिल्ली महिला आयोग का हेल्पलाइन नंबर, कहां कर सकते हैं कॉल; मंत्री ने बताया

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली महिला आयोग का हेल्पलाइन नंबर 181 फिलहाल बंद है। अब इसे चलाने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय को मिली है। विभाग के प्रभारी मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि विभाग ने हेल्पलाइन को चलाने को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली है। लाइन ट्रांसफर में एक दो दिन का समय लगेगा। तब तक के लिए उन्होंने महिलाओं से अपील की है कि जब तक 181 हेल्पलाइन नंबर दोबारा चालू नहीं होता है, तब तक 112 नंबर पर कॉल करें। दरअसल, केंद्र सरकार ने 4 मई 2023 को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को लिखे एक पत्र में कहा था कि महिलाओं के हेल्पलाइन नंबर 181 के प्रबंधन की जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग संभालेगा। मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देश पर यह बदलाव हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, लाइन ट्रांसफर होने में एक से दो दिन का समय लगेगा। इसके बाद दोबारा चालू हो जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, बीते 30 जून तक यह हेल्पलाइन नंबर चालू था, लेकिन अब बंद हो गया है। हम हेल्पलाइन नंबर को अपने हाथ में लेने के लिए पूरी तरह से तैयार है। लाइन के ट्रांसफर का काम चल रहा है जैसे ही यह पूरा होगा दोबारा से यह नंबर चालू कर दिया जाएगा। उनके मुताबिक, इसमें 1 से 2 दिन का समय लगेगा। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य संकटग्रस्त महिलाओं की जरूरतों को पूरा करना है। मुझे विश्वास है कि महिला हेल्पलाइन नंबर 181 कुछ दिनों के भीतर फिर से चालू हो जाएगा। बता दें कि इस हेल्पलाइन नंबर पर हर माह करीब 40 हजार से अधिक कॉल आती हैं। यह एक टोल-फ्री नंबर है, जो 24 घंटे चलता है। इसके कुछ दिन में फिर से शुरू होने की संभावना जताई गई है।

दिल्ली में बिना ड्राइवर ट्रैक पर दौड़ी मेट्रो

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो ने मजेंटा लाइन (जनकपुरी पश्चिम से बॉटेनिकल गार्डन नोएडा) के बीच चालक रहित और बगैर मानव हस्तक्षेप के मेट्रो का परिचालन शुरू किया। इसके साथ ही दिल्ली देश का पहला शहर बन गया है। इसके अलावा दुनिया के सात फीसदी कुलीन (एलिट) वर्ग वाले मेट्रो नेटवर्क में भी शामिल हो गया है। मेट्रो प्रबंधन के मुताबिक, जरूरत पड़ने पर इस कॉरिडोर पर 90 सेकंड के अंतराल पर भी ट्रेन चलाई जा सकती हैं।

मजेंटा लाइन दिल्ली मेट्रो का पहला कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) सिग्नलिंग सिस्टम वाला कॉरिडोर है। 37 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर परिचालन की शुरूआत दिसंबर 2020 में हुई थी। इसके बाद से अलग-अलग चरणों में ट्रायल करने के बाद एक जुलाई 2024 से इस पर पूरी तरह से चालक रहित मेट्रो का परिचालन शुरू हुआ। मेट्रो फेज तीन 97 किलोमीटर लंबे दो कॉरीडोर (मजेंटा और पिंक लाइन) पर चालक रहित तकनीकी का प्रयोग किया गया है। 60 किलोमीटर लंबी पिंक लाइन (मजलिस पार्क से मौजपुर) पर अगले चरण में परिचालन किया जाएगा।

आपातस्थिति में सीधे ओसीसी से जुड़ सकेंगे

हर कोच में कुल चार कैमरे लगाए गए हैं। इनसे अंदर की लाइव फुटेज केंद्रीय कंट्रोल कक्ष (ओसीसी) में देखी जा सकती है। अगर यात्री को कोई परेशानी होती है तो वह अलार्म बटन दबा सकता है। इसके बाद ओसीसी को नोटिफिकेशन मिल जाएगा। ट्रेन के आगे सेंसर्स है, जिससे ट्रैक की निगरानी ओसीसी में बैठकर की जा सकेगी।

चालकों के केबिन हटाए गए

मजेंटा लाइन पर 25 स्टेशन हैं। इस पर 6 कोच वाली 29 ट्रेन सेट का परिचालन किया जाता है। टायल के बाद सभी को चालक रहित कर दिया गया है। पहले चरण में चालक के साथ परिचालन किया गया। दूसरे में चालक सिर्फ दरवाजे खोलने, बंद करने और इमरजेंसी के लिए रहा। तीसरे में सिर्फ चालक मौजूद था, सारा काम ऑटोमेटेड था। सफल ट्रायल के बाद चालकों के केबिन हटाए गए।

ये फायदे होंगे

- परिचालन के बाद मेट्रो ट्रेन डिपो में स्टेबलिंग लाइन पर खड़ी भी अपने आप हो जाएंगी
- सुबह ट्रेनों को परिचालन पर लाने से पहले मैन्युल जांच की जरूरत नहीं पड़ेगी
- जरूरत पड़ने पर फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जा सकती है
- नई तकनीकी में ट्रेनों में टकराव नहीं हो सकता है, मेट्रो खुद ब्रेक लगाएंगी

कैसा रहा अनुभव

सैम शर्मा ने कहा, मैं हौजखास से बॉटेनिकल गार्डन जा रहा था और मेट्रो के डिब्बे में सबसे पीछे था। पहले लगा कि मेट्रो में कुछ दिक्कत है। फिर समझ आया कि इसमें तो ड्राइवर ही नहीं है। यह अनुभव शानदार रहा।

प्रतिज्ञा काकराण ने कहा, काफी दिन पहले अखबार में पढ़ा था कि मेट्रो बिना ड्राइवर के चलेगी। आज महिला कोच से अपनी आंखों से देखा। मैं मेट्रो से कालकाजी जा रही थी। हमें अपनी दिल्ली मेट्रो पर गर्व है।

हिमांशु से मेरा लेना-देना नहीं, नीरज बवाना ने बर्गर किंग गोलीबारी से बनाई दूरी; गैंगस्टर्स की दोस्ती में फूट?

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राजौरी गार्डन में स्थित बर्गर किंग आउटलेट में हुई गोलाबारी कोलेकर दो गैंगस्टर्स की दोस्ती में फूट पड़ गई है। लेड डॉन अनु ने प्रतिद्वंदी गैंग के सदस्य अमित जून को मिलने बुलाया और दो शूटर्स ने 35 से ज्यादा गोलियां चलाकर उसकी हत्या कर दी। हत्याकांड के कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया पोस्ट में हिमांशु भाऊ ने इसमें अपनी और तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर नीरज बवाना की संलिप्तता बताई थी। हालांकि अब बवाना ने इससे घटना से किनारा कर लिया है। सोमवार को बवाना ने एक पोस्ट में कहा कि उसका हिमांशु या उसके किसी साथी से कोई लेना-देना नहीं है। जिससे माना जा रहा है कि दोनों की दोस्ती में दरार आ गई है। वहीं दिल्ली पुलिस पोस्ट की जांच कर रही है। पोस्ट को लेकर एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि बवाना को जेल में फोन तक पहुंच मिल सकती है। यह पता लगाया जा रहा है कि इसे उसने या उसके साथी ने लिखा है। एक अधिकारी ने कहा कि भाऊ हमेशा कौशल, बंबीहा, नवीन और बवाना गैंग से जुड़ा रहा है। पिछले महीने हुई अमित जून की हत्या के बाद यह पोस्ट लिखी गई है। घटना के तुरंत बाद भाऊ ने सोशल मीडिया पर मर्डर की जिम्मेदारी ली थी। अधिकारी ने बताया, बर्गर किंग हत्याकांड के तुरंत बाद, बवाना को जेल से हिरासत में लिया गया और उसकी संलिप्तता के बारे में पूछताछ की गई।

महिलाओं से क्यों दुश्मनी; स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल को लिखा 4 पेज का लेटर, कई गंभीर आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। स्वाति मालीवाल कथित मारपीट वाले मामले के बाद से ही आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ लगातार हमलावर हैं। उन्होंने अब दिल्ली सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल को चार पेज का लेटर लिखा है। स्वाति ने केजरीवाल सरकार पर महिला आयोग को कमजोर संस्थान बनाने का आरोप लगाया है। बजट कम करने के साथ-साथ उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री से कई सवालों का जवाब मांगा है।

स्वाति का केजरीवाल सरकार पर कई आरोप: स्वाति मालीवाल ने एक्स पर चार पन्नों का लेटर शेयर किया है। उन्होंने लिखा, जबसे मैंने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है, तबसे दिल्ली सरकार के मंत्रियों और अफसरों ने आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पिछले 6 महीने से किसी को सैलरी नहीं दी गई है, बजट 28.5 प्रतिशत कम कर दिया है, 181 हेल्पलाइन वापस ले ली गई है और अध्यक्ष और 2 मेंबर की पोस्ट भरने के लिए कोई कार्य नहीं किया गया है।

महिलाओं से क्यों दुश्मनी- मालीवाल: राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने पोस्ट में आगे लिखा, दलित मेंबर की पोस्ट 1.5 साल से खाली पड़ी है! मेरे जाते ही हर संभव कोशिश की जा रही है महिला आयोग को फिर से एक कमजोर संस्थान बनाने की। महिलाओं से दिल्ली सरकार क्यों दुश्मनी निकाल रही है? मैंने अरविंद केजरीवाल जी को पत्र लिखकर उनसे जवाब मांगा है।

लेटर में पांच आरोप: स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल को लिखे पत्र में बताया कि दिल्ली महिला आयोग कुछ चुनौतियों से गुजर रहा है। उन्होंने बिन्दुवार पांच बातों का जिक्र किया है। पहला, 181 महिला हेल्पलाइन को वापस लेना। दूसरा, महिला आयोग के फंड को कम करना। तीसरा, आयोग के बजट को कम करना। चौथा, महिला आयोग से कर्मचारियों को हटाना और पांचवां, लीडरशिप पोस्ट नहीं भरना। नीचे पढ़िए पूरा लेटर... दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार की याचिका को विचारणीय माना, जिसमें मुख्यमंत्री आवास पर स्वाति मालीवाल पर कथित हमले के सिलसिले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। अदालत ने याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब भी मांगा है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने मामले में एक नोटिस जारी किया, जिन्होंने 31 मई को बिभव की याचिका की विचारणीयता के विषय पर आदेश सुरक्षित रखा था।

दिल्ली की ई-वाहन नीति की वैधता खत्म, नई गाड़ियों की खरीद पर सब्सिडी रुकी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति लागू नहीं होने से मौजूदा वाहन नीति की वैधता 30 जून को फिर खत्म हो गई है। इसके साथ दिल्ली में एक जुलाई से रजिस्टर्ड होने वाले नए इलेक्ट्रिक वाहनों को अब सब्सिडी का फायदा नहीं मिलेगा। दिल्ली में कुल पंजीकृत होने वाले नए वाहनों में 11 फीसदी से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन हैं। इनमें दोपहिया वाहनों की संख्या सबसे अधिक है।

दिल्ली सरकार की मौजूदा ई-वाहन नीति 8 अगस्त 2023 को खत्म हो चुकी है। उसके बाद से इसे चार बार विस्तार मिल चुका है। आखिरी बार मार्च से तीन माह के लिए 30 जून 2024 तक का विस्तार मिला था। अब 30 जून बीत गया है, लेकिन नई ई-वाहन नीति फिर लागू नहीं हो सकी है।

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, मौजूदा वाहन नीति को विस्तार तो दिया जा सकता है, लेकिन वित्तीय लेन-देन लागू होने के कारण कैबिनेट मंजूरी जरूरी है। वर्तमान में मुख्यमंत्री की उपलब्धता नहीं होने के कारण बिना कैबिनेट विस्तार नहीं दिया जा सकता है।

दिल्ली में इस बार 30 जून तक कुल 3.33 लाख से अधिक नए वाहनों का पंजीकरण हुआ है, जिनमें 38 हजार 338 वाहन इलेक्ट्रिक हैं। जून में ही पंजीकृत 47 हजार वाहनों में 3992 इलेक्ट्रिक हैं। सरकार ई-वाहन नीति के तहत दुपहिया वाहनों पर 5000 रुपये प्रति किलोवाट (बैट्री क्षमता) के हिसाब से अधिकतम 10 हजार रुपये की सब्सिडी देती है। इसी तरह ई-रिक्शा, ई-ऑटो पर 30 हजार रुपये की सब्सिडी मिलती है। चार पहिया वाहनों पर अधिकतम 30 हजार रुपये की सब्सिडी थी, जो कि पहले एक हजार वाहनों पर ही लागू था।

डेढ़ लाख रुपये तक मिल रही थी सब्सिडी

दिल्ली सरकार अपनी पहली ई-वाहन नीति में अलग-अलग श्रेणी में 1.50 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी थी। दोपहिया वाहनों पर 5000 रुपये किलोवाट की सब्सिडी थी, जो अधिकतम 30 हजार रुपये थी। इसी तरह इलेक्ट्रिक कार पर 10 हजार रुपये प्रति किलोवाट की सब्सिडी थी, जो अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक थी। इसके अलावा ई-रिक्शा पर 30 हजार रुपये की सब्सिडी दे रही थी।

इजरायल-फिलीस्तीन जंग निर्णायक मोड़ पर: नेतन्याहू के रक्षा मंत्री बोले- 9 माह में हमास की 20 बटालियनें भेजीं नरक

गाजा, एजेंसी। इजरायली सेना आईडीएफ ने 9 महीनों के भीतर गाजा और फिर राफा को श्मशान बना दिया है। अब इजरायल और हमास के बीच जंग निर्णायक मोड़ पर आ चुकी है। इस दौरान हजारों निर्दोषों की जान चली गई। इस बीच बेंजामिन नेतन्याहू सरकार में रक्षा मंत्री योआव गैलांट ने दावा किया है कि आईडीएफ हमास की 24 में से 20 बटालियन मिट्टी में मिला चुकी है। अब सिर्फ चार बची हैं और कुछ दिनों में वो भी नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकी अब हमारी सेना के आगे नहीं टिक पा रहे हैं। उनकी हथियारों की आपूर्ति बंद हो गई है और वो धीरे-धीरे मर रहे हैं।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्री योआव गैलांट की यह टिप्पणी फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह के साथ युद्ध के नौ महीने बाद आई है। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में हमारे सैनिक हमास के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे, वहां बढ़त हासिल कर ली है। उधर, इजरायली अधिकारियों का कहना है कि आईडीएफ ने गाजा पट्टी में हमास की चार बटालियनों को छोड़कर बाकी सभी को हरा दिया है। अब सिर्फ राफा में दो और मध्य गाजा में दो बची हैं। राफा पर हमले को लेकर बात करते हुए गैलांट ने कहा कि आईडीएफ ने मिस्र के साथ लगती राफा सीमा पर कब्जा कर लिया है और सीमा पर 25 तस्करी सुरंगों का पता लगाया है। इन सुरंगों को नष्ट कर दिया गया है या उन पर हमारा कब्जा हो चुका है। ये वे सुरंगे बताई जा रही हैं जहां हमास को उनके समर्थकों द्वारा हथियारों की आपूर्ति की जा रही थी।

गैलांट का दावा है कि हथियार न मिलने से हमास के लड़ाके युद्ध में टिक नहीं पा रहे हैं और लड़ाई में लगातार मारे जा रहे हैं। उन्होंने सैनिकों से अपने संदेश में कहा, राफा में लड़ाई बहुत महत्वपूर्ण है। हम वास्तव में हमास को खत्म करने के करीब हैं। युद्ध का परिणाम यह निकल रहा है कि उनके पास खुद को हथियारबंद करने का कोई तरीका नहीं बचा है। हमने उनकी सुरंगों को खोज निकाला है और कब्जा कर लिया है। अब उनके पास हमारे आगे घुटने टेकने या मारे जाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। उनके पास अपने हताहतों की देखभाल करने का कोई साधन नहीं है और हम इसे युद्ध में अपने लिए अच्छा संकेत मान रहे हैं। गैलेंट ने आगे कहा, हमास के आतंकियों में अब लड़ने की भावना टूट चुकी है और समय इजरायल के साथ है। जल्द ही हमास का नामो-निशान मिटा दिया जाएगा।

श्रीलंकाई राजनीतिज्ञ और तमिल नेता संपन्थन का निधन

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में तमिल नागरिकों के लिए शांति, न्याय और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करने वाले उदारवादी तमिल नेता आर संपन्थन का रविवार रात निधन हो गया। तमिल नेशनल अलायंस ने घोषणा की कि 91 वर्षीय संपन्थन का अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। संपन्थन (91) ने 2004 से टीएनए का नेतृत्व किया और सिंहली बहुल देश में मुख्य विपक्षी नेता बनने वाले दूसरे तमिल बने। वह लंबे समय से बीमार होने के कारण संसद के मौजूदा सत्र में शामिल नहीं हो रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंकाई तमिल नेता के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, टीएनए के अनुभवी नेता आर संपन्थन के परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। मोदी ने लिखा, उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा। उन्होंने श्रीलंका के तमिल नागरिकों के लिए शांति, सुरक्षा, समानता, न्याय और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किए। श्रीलंका और भारत में उनके दोस्त और समर्थक उन्हें बहुत याद करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संपन्थन की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। जयशंकर ने एक्स पर कहा कि उन्होंने (संपन्थन) अपना पूरा जीवन श्रीलंका में तमिलों के लिए समानता, सम्मान और न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, श्रीलंकाई तमिल नेता आर संपन्थन के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। संपन्थन 2015 में विपक्ष के नेता बने और 2019 तक एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप के बचाव में आए एलन मस्क

उपराष्ट्रपति हैरिस पर भड़के, कहा- कब राजनेता समझेंगे...

वॉशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला सीईओ एलन मस्क एक बार फिर चर्चाओं में आ गए हैं। उन्होंने सोमवार को गर्भपात प्रतिबंध पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख के बारे में झूठ बोलने के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की आलोचना की।

क्या कहा था हैरिस ने?: हैरिस ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा था, डोनाल्ड ट्रंप देश में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे। उन्हें रोकने और महिलाओं की प्रजनन स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए मैं और राष्ट्रपति जो बाइडन पूरी ताकत लगा देंगे।

इस दिन होने हैं चुनाव: बता दें, अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। हालांकि, उपराष्ट्रपति द्वारा साझा किए गए पोस्ट के साथ कुछ खबरों की लिंक भी थी। लिखा था कि ट्रंप ने बार-बार कहा है कि वह गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

मस्क का हमला: इसी पर पलटवार करते हुए मस्क ने हैरिस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राजनेता या कम से कम इंटर्न जो एक्स का इस्तेमाल करते हैं, कब सीखेंगे कि इस मंच पर झूठ बोलना अब काम नहीं करता है? इतना ही नहीं गुस्साए मस्क ने हैरिस की पोस्ट पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते बाइडन के साथ हुई अमेरिकी राष्ट्रपति की बहस में स्पष्ट रूप से कहा है कि वह ऐसा नहीं करेंगे। अमेरिका में गर्भपात पर प्रतिबंध का

विषय डेमोक्रेट बाइडन और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के बीच राष्ट्रपति चुनाव प्रचार में प्रमुखता से उभरा है।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का 2022 का फैसला?: सुप्रीम कोर्ट के जून 2022 के रो बनाम वेड के फैसले बाद इडाहो में गर्भपात को कानून द्वारा अपराध घोषित कर दिया गया था। कानून के मुताबिक, राज्य में गर्भपात करने वाले को दो से पांच साल तक की कैद हो सकती है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को कानूनी तौर पर मंजूरी देने वाले पांच दशक पुराने ऐतिहासिक रो बनाम वेड फैसले को जून 2022 में पलट दिया था। इसका मतलब था कि अमेरिकी महिलाओं के लिए गर्भपात के हक का कानूनी दर्जा खत्म हो जाएगा। हालांकि राहत की बात यह है कि अमेरिका के सभी राज्य गर्भपात को लेकर अपने-अपने अलग नियम बना सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि संविधान गर्भपात का अधिकार प्रदान नहीं करता है। उन्होंने यह भी बताया था कि गर्भपात को विनियमित करने का अधिकार लोगों और उनके चुने हुए प्रतिनिधियों को वापस कर दिया गया है। बहुमत से लिए गए फैसले को सुनाते हुए न्यायमूर्ति सैमुअल अलिटो ने कहा था कि गर्भपात एक गहरा नैतिक मुद्दा प्रस्तुत करता है, जिस पर अमेरिकी तीव्र परस्पर विरोधी विचार रखते हैं। संविधान प्रत्येक राज्य के नागरिकों को गर्भपात को विनियमित करने या प्रतिबंधित करने से प्रतिबंधित नहीं करता है।

स्वीडन में नया कानून लागू, पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए मिलेगा पितृत्व अवकाश

कोपेनहेगन। स्वीडन ने सोमवार को नया पितृत्व कानून लागू किया। इसके तहत दादा-दादी को बच्चे के जन्म के प्रथम वर्ष के दौरान तीन महीने तक पोते- पोतियों की देखभाल करने के लिए वेतन सहित पितृत्व अवकाश मिल सकेगा।

स्वीडन की 349 सीटों वाली संसद रिक्सडैग ने पिछले साल दिसंबर में पितृत्व भत्ते को लेकर सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसके बाद यह कानून लागू किया गया है। इस कानून के तहत, माता-पिता अपने पितृत्व अवकाश भत्ते का कुछ हिस्सा बच्चे के दादा-दादी को ट्रांसफर कर सकते हैं। स्वीडन में बच्चा होने पर छुट्टी मिल जाती है। माता-पिता को प्रति बच्चे 480 दिन की छुट्टी मिलती है। उनमें से 390 दिनों के लिए मुआवजा पूरी आय के आधार पर गणना की जाती है जबकि शेष 90 दिनों के लिए लोगों को प्रति दिन 180 क्रोनर की निश्चित राशि मिलती है। स्वीडन में माता-पिता बच्चे के आठ वर्ष का होने तक कम घंटों तक काम कर सकते हैं, जबकि सरकारी कर्मचारियों को भी बच्चे के 12 वर्ष का होने तक कम घंटों तक काम करने का लाभ मिलता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।